नई दिल्ली ■ मंगलवार 18 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 230 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 सवालों के घेरे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा... | 07 ऑस्ट्रेलियाई ओपन: सात्विक-चिराग की जोड़ी पर रहेगी निगाह | 'पति पत्नी और पंगा' के विनर बने रुबीना... 08

सऊदी अरब में भीषण हादसा, मक्का से मदीना जा रही बस डीजल टैंकर से टकराई

हादसे में 45 भारतीयों की मौत

- भारतीय श्रद्धालुओं की मौत पर प्रधानमंत्री और नेताओं ने शोक व्यक्त किया

हैदराबाद/जेद्दा। सऊदी अरब के मदीना में एक बस के तेल टैंकर से टकरा जाने के बाद कम से कम 45 भारतीय उमराह जायरीन की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकतर तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के जायरीन थे जो उमराह करने गए थे। हज के वक्त के अलावा मक्का-मदीना की साल भर होने वाली धार्मिक यात्रा को उमराह कहा जाता है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए मृतक संख्या 45 बताई और कहा कि नौ नवंबर को यहां से कुल 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री क्रमशः रेवंत रेड्डी और एन चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना में लोगों के मारे जाने पर शोक जताया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और कांग्रेस पार्टी ने इस घटना को लेकर गहरा दुख जताया है। बस देर रात करीब डेढ़ बजे (भारतीय समयानुसार) कथित रूप से तेल के एक टैंकर से टकरा गई थी। हैदराबाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सज्जनार ने कहा कि नौ नवंबर को यहां से 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। उन्हें 23 नवंबर को लौटना था। इन 54 लोगों में से चार लोग रविवार को अलग-अलग कार से मदीना गए जबकि चार अन्य मक्का में ही रुक गए। अधिकारी के अनुसार, घटना में शामिल बस में 46 लोग यात्रा कर रहे थे, जो मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर एक तेल टैंकर से टकरा गई। इस दुर्घटना में केवल एक व्यक्ति जीवित बचा है और उसका अस्पताल में इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें सूचना मिल रही है कि 45 लोग मारे गए हैं। उन्हें 23 नवंबर को हैदराबाद लौटना था।'' उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सऊदी अरब के मदीना के पास हुए इस सड़क हादसे से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा, ''इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।''टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित घटना के दृश्य में बस से भीषण आग की लपटें उठती दिख रही हैं और हवा में धुएं का घना बादल नजर आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने घटना को लेकर शोक जताया। जयशंकर ने कहा, ''रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास इस दुर्घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं।'' उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ''शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'' रीजीजू ने कहा कि वह सऊदी अरब में मदीना-मक्का राजमार्ग पर हुई बस दुर्घटना में कई भारतीय श्रद्धालुओं के मारे जाने की खबर से ''स्तब्ध और बेहद दुखी'' हैं। रीजीजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र से मृतकों के परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए राज्य के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का आग्रह किया। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सऊदी अरब के मदीना के निकट हुई उस हृदय विदारक दुर्घटना से बहुत दुःखी हूं, जिसमें कई भारतीय नागरिक मारे गए। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार को विदेश मंत्रालय के माध्यम से सहायता और राहत प्रदान करने के लिए राज्य के अधिकारियों और भारत में पीड़ित परिवारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। खरगे ने कहा, ''मैंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री को पीड़ितों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है और वह स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।'' हैदराबाद में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) विधायक माजिद हुसैन ने कहा, ''हमें सूचना मिली है कि दुर्घटना में 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और हम परिवारों के साथ संपर्क में हैं।

पीएम मोदी ने हादसे पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख जताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 'मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुए हादसे से बेहद दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं हादसे में घायल लोगों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दाह का महावाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद मुहैया करा रहे हैं। हमारे अधिकारी भी सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों के संपर्क में हैं।'

दिल्ली विस्फोट : एनआईए ने किया 'सह साजिशकर्ता' वानी को गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट को अंजाम देने में 'सह साजिशकर्ता'की भूमिका निभाने वाले जसीर बिलाल वानी को श्रीनगर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वानी ने विस्फोट को अंजाम देने के लिए 'आत्मघाती हमलावर' डॉ.उमर उन नबी के साथ सक्रिय रूप से काम किया था। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई थी। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी ने कथित तौर पर ड्रोन में संशोधन करके और घातक कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट बनाने का प्रयास करके आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की थी। बयान के मुताबिक वानी को दानिश के नाम से भी जाना जाता है और उसे एनआईए की टीम ने श्रीनगर से गिरफ्तार किया।

एनआईए के बयान के मुताबिक, ''जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का निवासी आरोपी इस हमले का सक्रिय सह-षड्यंत्रकारी था और उसने आतंकवादी हमले की साजिश रचने के लिए आतंकवादी उमर उन नबी के साथ मिलकर काम किया था।'' एजेंसी राष्ट्रीय राजधानी में 10 नवंबर को हुए विस्फोट के पीछे की साजिश का पता लगाने के लिए ''विभिन्न कोणों'' से जांच कर रही है। बयान के मुताबिक, ''आतंकवाद-रोधी एजेंसी की कई टीमें विभिन्न सुरागों का पता लगाने में जुटी हैं और आतंकवादी हमले में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की पहचान करने के लिए विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही हैं।'' एजेंसी के मुताबिक राजनीति विज्ञान में स्नातक वानी को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने कई महीनों तक 'ब्रेनवॉश' किया।

वह पिछले वर्ष अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया। वानी को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था।

दिल्ली विस्फोट: आरोपी आमिर 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट के आरोपी आमिर राशिद अली को सोमवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की 10 दिन की हिरासत में भेज दिया। आतंकवाद रोधी एजेंसी अंतरराज्यीय ''सफेदपोश'' आतंकी मॉड्यूल के पीछे की साजिश का पता लगाने की कोशिश कर रही है। दक्षिण कश्मीर के पंपोर निवासी अली को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया। मीडियाकर्मियों को अदालत परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया, जिससे कार्यवाही 'बंद कमरे में' हुई। बाद में, अदालत कक्ष में मौजूद सूत्रों ने बताया कि न्यायाधीश ने एनआईए द्वारा आरोपी को पूछताछ के लिए 10 दिन के लिए उसकी हिरासत में देने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

दो पैन कार्ड मामला : सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला को सात-सात साल की सजा

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर 50-50 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। फैसले के बाद दोनों को अदालत ने तुरंत कस्टडी में ले लिया। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में सिविल लाइंस थाना में अब्दुल्ला आजम के खिलाफ केस दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला ने दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों से दो पैनकार्ड बनवाए हैं। एक पैन कार्ड में जन्मतिथि पहली जनवरी 1993 है जबकि, दूसरे में जन्मतिथि 30 सितम्बर 1990 दर्ज है। अब्दुला ने अपने पिता सपा नेता आजम खां के इशारे पर दोनों ही पैनकार्ड का उपयोग भी किया। पुलिस ने प्राथमिकी की जांच पूरी कर अब्दुल्ला के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किए थे। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष दोनों की ओर से बहस पूरी होने के बाद सात नवम्बर को अदालत ने पत्रावली पर फैसले के लिए 17 नवम्बर की तारीख लगाई थी। सोमवार को कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और उनके पुत्र पूर्व विधायक अब्दुला आजम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई के दौरान वादी भाजपा विधायक आकाश सक्सेना भी कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले को देखते हुए कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उल्लेखनीय है कि अभी कुछ ही महीने पहले कई मामलों में जमानत मिलने के बाद सपा नेता आजम खान सीतापुर की जेल से रिहा हुए थे।

अनुया, प्रांजलि को बधिर ओलंपिक में एयर पिस्टल में स्वर्ण और रजत

नई दिल्ली। युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने तोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में सोमवार को महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरूषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता। भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं। हैदराबाद में ओलंपियन गगन नारंग की अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले धनुष श्रीकांत ने रविवार को 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था।

पीपीपी नेता राजा फैजल मुमताज राठौर पीओके के नये पीएम बने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की क्षेत्रीय असेंबली ने तहरीक-ए-इंसाफ पाकिस्तान (पीटीआई) पार्टी के नेता चौधरी अनवारुल हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सोमवार को पारित कर दिया, जिसके बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सदस्य राजा फैजल मुमताज राठौर पीओके के नये 'प्रधानमंत्री' चुने गए। राठौर 2021 में मौजूदा असेंबली के गठन के बाद क्षेत्र के चौथे प्रधानमंत्री हैं। उन्हें कुल 36 सदस्यों का समर्थन हासिल हुआ, जिनमें पीपीपी के 27 और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नौ सदस्य शामिल हैं। पीओके की क्षेत्रीय असेंबली में कुल 52 सदस्य हैं और नये नेता को चुनने के लिए 27 सदस्यों के समर्थन की जरूरत थी। हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पीपीपी सदस्य कासिम मजीद ने पेश किया था।

बांग्लादेश: शेख हसीना को फांसी की सजा

बांग्लादेश की कोर्ट का बड़ा फैसला- बांग्लादेशी कोर्ट ने छात्रों की हत्याओं का दोषी माना

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए ''मानवता के विरुद्ध अपराधों'' के लिए सोमवार को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने 78 वर्षीय अवामी लीग नेता को हिंसक दमन का ''मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार'' बताया, जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी।

पिछले वर्ष पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक ''गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं। मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग में, वे अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के निर्लज्ज और जानलेवा इरादे को उजागर करते हैं, जो बांग्लादेश की अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना चाहते हैं और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म करना चाहते हैं।'' हसीना ने कहा कि वह उनपर ''आरोप लगाने वालों'' का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए मैंने अंतरिम सरकार को बार-बार चुनौती दी है कि वह इन आरोपों को हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के समक्ष लाए।'' यह फैसला बांग्लादेश में संसदीय चुनावों से कुछ महीने पहले आया है। हसीना की अवामी लीग पार्टी को फरवरी में होने वाले चुनावों में भाग लेने से रोक दिया गया है। ढाका में कड़ी सुरक्षा वाले अदालत कक्ष में फैसला पढ़ते हुए न्यायाधिकरण ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने बिना किसी संदेह के यह साबित कर दिया है कि पिछले साल 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर घातक कार्रवाई के पीछे हसीना का ही हाथ था।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि ''जुलाई विद्रोह'' के नाम से, करीब एक महीने तक चले आंदोलन के दौरान 1,400 लोग मारे गए थे। हसीना को निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बल प्रयोग का आदेश देने, भड़काऊ बयान देने और ढाका तथा आसपास के इलाकों में कई छात्रों की हत्या के लिए अभियान चलाने की अनुमति देने के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। हाल ही में मीडिया साक्षात्कारों में हसीना ने आईसीटी को उनके विरोधियों द्वारा संचालित ''कंगारू कोर्ट'' बताया था।

हसीना पर आए फैसले पर भारत ने कहा, 'हम बांग्लादेश नागरिकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध'

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधीकरण के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज कहा कि हम पड़ोसी देश के नागरिकों के सर्वोत्तम हित के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में 'बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण' के फैसले पर ध्यान दिया है। एक निकट पड़ोसी के रूप में भारत बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें उस देश में शांति, लोकतंत्र, समावेशिता और स्थिरता शामिल है। हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ हमेशा रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने आज पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में मृत्यु दंड सुनाया है। वहीं डॉ मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने फ़ैसले के बाद हसीना को सौंपने का आग्रह किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा प्रत्यर्पण संधि के अनुसार यह भारत का अनिवार्य कर्तव्य है।

नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक में तीन प्रस्तावों पर मुहर

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक हुई, जिसमें तीन प्रस्तावों पर मुहर लगने के बाद नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा प्रदेश के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को सौंप दिया। नीतीश कुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

उनके इस्तीफे के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उनसे नई सरकार के गठन होने तक राज्य का कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने का आग्रह किया है। इस्तीफे से पहले नीतीश कुमार ने सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक की। बैठक में मंत्रीमंडल को भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ। इससे पहले नीतीश कुमार की आज संपन्न आखिरी कैबिनेट बैठक में कुल तीन प्रस्तावों पर मुहर लगी। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि आज मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल तीन प्रस्ताव पास हुए। पहले प्रस्ताव के तहत, मंत्रिमंडल ने 19 नवंबर से वर्तमान विधानसभा को भंग करने की सिफारिश की है।

राजद विधायक दल के नेता चुने गए तेजस्वी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने सोमवार को विधायक दल की बैठक आयोजित की। बैठक में तेजस्वी यादव को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय जनता दल विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में नवनिर्वाचित विधायकों ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए उन्हें आगामी राजनीतिक रणनीति का दायित्व सौंपा। बैठक में चुनाव परिणामों की समीक्षा के साथ-साथ हार के कारणों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कई विधायकों ने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और चुनाव प्रचार रणनीति में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

मणिपुर में आरपीएफ/पीएलए का मेजर गिरफ्तार, काकचिंग से भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने आरपीएफ/पीएलए के स्वयंभू मेजर कोइजम इबोचौबा उर्फ इनाओ उर्फ सूमो उर्फ सोमो उर्फ पनसरेंग (45) को गिरफ्तार कर लिया।

याइरिपोक मालोम ममंग लाइकाई निवासी और वर्तमान में इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद नेप्रा मेनजोर लाइकाई में किराये के घर में रह रहे इबोचौबा 2017 में साजिक तामपाक में चार असम राइफल्स जवानों पर हुए हमले के मामले में वांछित था। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि पूछताछ के दौरान इबोचौबा ने काकचिंग जिले के खारुंगपट स्थित एक खेत में प्लास्टिक ड्रम के अंदर दबाकर रखे गए हथियारों का पता बताया। इसके आधार पर सुरक्षा बलों ने वहां से एक एम-16 राइफल, आठ एसएलआर राइफल, एक .303 एलएमजी, दो .303 राइफल, अमोघ कार्बाइन के 190 कारतूस, एसएलआर के 30 कारतूस, एक डेटोनेटर, 32 एसएलआर मैगजीन, चार 7.62 एलएमजी मैगजीन, तीन .303 मैगजीन, छह .303 एलएमजी मैगजीन, तीन एम-16 मैगजीन, चार इंसास मैगजीन, तीन 2 इंच मोर्टार, दो आईईडी, एक रिमोट, दो इलेक्ट्रिक सर्किट, एक स्पिरिट ड्रम और एक मोबाइल फोन (सिम कार्ड सहित) बरामद किया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि यह बरामदगी क्षेत्र में उग्रवादी गतिविधियों पर बड़ा प्रहार है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की पाकिस्तान को चेतावनी

पड़ोसी से 'कैसे व्यवहार करना है' सिखाने के लिए भारत तैयार

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को चाणक्य डिफेंस डायलॉग में फिर एक बार ऑपरेशन 'सिंदूर' के बारे में कहा कि फिल्म तो अभी शुरू भी नहीं हुई है, ये तो बस 88 घंटे का ट्रेलर था। हम भविष्य में किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। अगर पाकिस्तान हमें मौका दे, तो हम उन्हें सिखाएंगे कि एक पड़ोसी को कैसा व्यवहार करना चाहिए। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हम आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के साथ एक जैसा व्यवहार करेंगे। हम उन लोगों को जवाब देंगे, जो आतंकवादियों को प्रोत्साहित करते हैं।

जनरल द्विवेदी ने यहां मानेकशा सेंटर में आज चाणक्य डिफेंस डायलॉग में उभरती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति सेना के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। ऑपरेशन सिंदूर पर थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि जब कोई देश राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो यह भारत के लिए चिंता का विषय बन जाता है। भारत प्रगति की बात करता है। अगर कोई हमारे रास्ते में बाधा डालता है, तो हमें उनके खिलाफ कुछ कार्रवाई करनी होगी। हमने कहा है कि बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि हम केवल एक शांतिपूर्ण प्रक्रिया अपनाने के लिए कह रहे हैं, जिसमें हम सहयोग करेंगे। तब तक हम आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के साथ एक जैसा व्यवहार करेंगे। हम उन लोगों को जवाब देंगे, जो आतंकवादियों को प्रोत्साहित करते हैं।

आज, भारत इतना कुशल है कि वह किसी भी ब्लैकमेल के प्रयासों से नहीं डरता। उन्होंने कहा कि आज के समय में लड़ाई कई क्षेत्रों में होती है। हम नहीं कह सकते कि यह कब तक चलेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे पास लंबे समय तक चलने वाली रसद उपलब्ध रहे। हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है, जो हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। आज के समय में हमारी प्रतिरोधक क्षमता बहुत मजबूत है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के हालात में बहुत बड़ा बदलाव आया है। इसके बाद राजनीतिक स्पष्टता आई है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद में भारी कमी आई है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भारत राज्य समर्थित आतंकवाद का कड़ा जवाब देना जारी रखेगा। मणिपुर की स्थिति पर जनरल द्विवेदी ने कहा कि राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद से मणिपुर की स्थिति में सुधार हुआ है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद से चीजें बदल गई हैं। सरकार में लोगों का भरोसा और समुदायों के बीच आपसी विश्वास बढ़ा है। तब से महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। उन्होंने स्थिरता के संकेत के रूप में हाल के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डूरंड कप का आयोजन किया गया था और मैं वहां था।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने RWA और अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

नोएडा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद जनपद गौतमबुद्ध नगर में चलाये जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को आयोग की मंशा के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित करने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में एक बैठक की। इस बैठक में आरडब्ल्यूए, क्रेडाई, बिल्डर्स, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को गणना प्रपत्रों के वितरण एवं प्राप्ति की प्रक्रिया से अवगत कराने के साथ कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम में डोर-टू-डोर सर्वे और मतदाता मैपिंग की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरडब्ल्यूए, एओए, टावर इंचार्ज, बीएलओ और बीएलए से समन्वित रूप से कार्य करने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिन आरडब्ल्यूए और एओए ने इस कार्य में सहयोग प्रदान किया है, उन्हें जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फार्म 6 और फार्म 8 पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और उनका उपयोग माइग्रेशन, मृत मतदाताओं को हटाने, शिफ्टेड मतदाताओं को अद्यतन करने तथा एक ही परिवार के बिखरे मतदाताओं को एक बूथ पर समायोजित करने के लिए किया जाएगा। इसके माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटे नहीं और सभी नए मतदाताओं का नाम शामिल किया जा सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि मतदाता सूची से संबंधित किसी भी सुझाव या समस्या को विभाग की आधिकारिक मेल आईडी adeo-gbn@nic.in पर भेजा जा सकता है, ताकि मतदान के समय किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। उन्होंने पुनरीक्षण कार्यक्रम में अब तक किए गए आरडब्ल्यूए और एओए के सहयोग की सराहना की और कहा कि यदि एसआईआर कार्यों से संबंधित कोई सुझाव हों तो वे भी साझा किए जाएं।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की जानकारी भी पदाधिकारियों को दी और कहा कि उनके सहयोग से ही आयोग की मंशा के अनुरूप अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सकेगी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से स्नेहलता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग का सख्त रुख, 50 हजार से अधिक वाहन मालिकों को नोटिस जारी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में परिवहन विभाग ने बकायेदार वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अप्रैल से अक्टूबर तक 3.99 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य तय किया था, जिसमें से अब तक 2.25 करोड़ रुपये वसूल किए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि शेष राशि की वसूली के लिए बड़े बकायेदारों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। अक्तूबर माह में ही 23.17 लाख रुपये की वसूली की गई।

कुल वसूली में से जिले में पंजीकृत वाहनों से 1.61 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जबकि अन्य राज्यों और जिलों के वाहनों से 64.34 लाख रुपये वसूल किए गए। विभाग के अनुसार, टैक्स, फिटनेस, परमिट शुल्क और अन्य देनदारियां लंबित रखने वाले वाहन मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि बकाया वसूली की नियमित समीक्षा की जा रही है और जिन वाहन स्वामियों ने लंबे समय से भुगतान नहीं किया है, उनके खिलाफ चालान, वाहन जब्ती और अन्य दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

लक्ष्य के अनुरूप वसूली बढ़ाने के लिए नवंबर और दिसंबर में अभियान को और आक्रामक तरीके से चलाया जाएगा। सिर्फ अक्टूबर में ही 50 हजार से अधिक वाहन मालिकों को नोटिस भेजे गए हैं, ताकि बकाया जमा कराने के लिए उन्हें अंतिम चेतावनी दी जा सके। विभाग का कहना है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

अपना घर आश्रय में काम करने वाली नर्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के सेक्टर 34 स्थित अपना घर आश्रय में काम करने वाली एक नर्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार सिंह ने बताया कि अंजना उम्र 30 वर्ष मोरना गांव में रहती थी। वह सेक्टर 34 स्थित अपना घर आश्रय में नर्स के रूप में काम करती थी। रविवार की रात को वह अपने घर पर मूर्छित अवस्था में मिली। मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उनको उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर सुबह को डॉक्टर ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख पुलिस ने दो पहिया वाहन चोरी करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से चोरी की 9 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी व 2 अवैध चाकू बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म के शातिर चोर बताये जा रहें हैं। इनके खिलाफ एनसीआर के विभिन्न थानों में 14 मुकदमें पूर्व में पंजीकृत है।

पुलिस बदमाशों के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र कर रही है। थाना बिसरख पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गए वाहन चोरों के बारे में लानकारी देते हुए एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा संतोष कुमार ने बताया कि थाना पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से दो पहिया वाहन चोरी करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर चोर विनय उर्फ छोटा राजा पुत्र धर्मेन्द्र, विपिन उर्फ कलुआ पुत्र करनपाल सिंह तथा सुमित उर्फ नेपाली पुत्र अनिल को सुपरकास्ट के पास कच्ची सड़क थाना क्षेत्र बिसरख से गिरफ्तार किया गया है। एडीसीपी ने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे व निशोदही से चोरी की 9 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी व अभियुक्त विनय तथा विपिन के पास से 1-1 अवैध चाकू बरामद किया गया है।

उन्होंने बताया कि बरामद सभी वाहन नोएडा, गाजियाबाद व दिल्ली से चोरी की गयी है, जिसके संबंध में नोएडा, गाजियाबाद तथा दिल्ली के अलग-अलग थानों में अभियोग पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त विनय व विपिन पर 5-5 तथा सुमित के खिलाफ 4 मुकदमें दिल्ली, गाजियाबाद ओर गौतमबुद्ध के थानों में दर्ज है।

कृष्णा अपरा प्लाजा कमर्शियल बिल्डिंग में लगी भयंकर आग

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 18 स्थित कृष्ण प्लाजा कमर्शियल कंपलेक्स में आज तड़के 3 बजकर 20 मिनट पर शार्ट सर्किट के चलते भयंकर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 15 गाड़ियों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस बिल्डिंग में विगत मार्च माह में भी आग लग चुकी है। जिसमें बिल्डिंग में फंसे 100 से ज्यादा लोगों को फायर ब्रिगेड ने रेसक्यू करके बाहर निकाला था। इस घटना में दर्जन भर से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि फायर ब्रिगेड को सुबह 3:20 पर सूचना मिली कि सेक्टर 18 स्थित कृष्ण प्लाजा बिल्डिंग में भयंकर आग लगी है। उन्होंने बताया कि आग की सूचना पर दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची, तथा आसपास के फायर स्टेशन से करीब 15 गाड़ियां वहां पर भेजी गई। वहां पर पहुंच कर जांच किया गया तो पता चला कि आग पांचवी मंजिल पर लगी है। उन्होंने बताया कि बिल्डिंग बंद थी। शटर काटकर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बिल्डिंग के अंदर प्रवेश किया तथा करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

उन्होंने बताया कि आग से हुए नुकसान और आग के कारण का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। मालूम हो कि इसी बिल्डिंग में विगत मार्च माह में भयंकर आग लग गई थी। जिसे फंसे लोग कई मंजिलों से नीचे कूद गए थे। दर्जन भर से ज्यादा लोग इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुए थे। फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू करके 100 से ज्यादा लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाला था।

इस घटना ने बिल्डिंग की आग से सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिया है। बताया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट के चलते लगी तथा वह बिजली की केबल के सहारे साफ़्ट से होती हुए पांचवी मंजिल तक पहुंच गई।

सड़क हादसे में महिला कलाकार की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक महिला कलाकार की मौत हो गई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि अरिदम मुखर्जी पुत्र शुभेंदु मुखर्जी निवासी सीडीए सेक्टर- 7 थाना मरकट नगर उड़ीसा ने आज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को उन्होंने बताया कि उनकी बहन अदिति मुखर्जी जो कि दिल्ली के महिपाल पुर में रहती थी। वह 16 नवंबर की रात को अपने घर से एक शो करने के लिए गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी उबर कैब से जा रही थी। पीड़ित के अनुसार किसी अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सफीपुर गांव के पास कैब में टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर देर रात को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में वह परफॉर्मेंस देने के लिए जा रही थी। मृतका एक कलाकार थी।

गेस्ट हाउस में काम करने वाला व्यक्ति लापता, अपहरण की आशंका

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 105 स्थित एक गेस्ट हाउस में काम करने वाला व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। उसकी पत्नी ने अपहरण की आशंका जताते हुए रविवार की रात को थाना सेक्टर 39 में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि विनीता देवी पत्नी रणवीर लाल ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पति सेक्टर 105 स्थित एक गेस्ट हाउस में नौकरी करते है।

महिला के अनुसार 7 सितंबर को उन्होंने उसे फोन करके कहा कि वह नोएडा से उत्तराखंड के जनपद चमोली स्थित अपने घर आ रहे हैं। महिला के अनुसार उनके पति घर नहीं पहुंचे। महिला के अनुसार जब उन्होंने होटल के मालिक से बात की तो उन्होंने बताया कि वह अपना वेतन लेकर टैक्सी बुक करके घर जाने के लिए होटल से निकला था। होटल के कर्मचारियों ने उसे बताया कि वह निकलते समय किसी से फोन पर बात कर रहे थे, और गुस्से में थे। महिला के अनुसार वह अपने पति के घर नहीं पहुंचने से काफी परेशान है। महिला ने पुलिस को बताया है कि वह उत्तरांचल के चमोली जनपद के पोखरी थाना भी गई थी, लेकिन पुलिस ने कहा कि यह मामला नोएडा का है।

थाना प्रभारी ने बताया कि बीती रात को महिला ने घटना की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

कैदियों से मिले एक्टर राजीव खंडेलवाल और अभिनेत्री रितिका, स्वास्थ्य और खेती के बारे में किया जागरूक

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिला कारागार में सशक्त फाउंडेशन की ओर से बंदियों के लिए कैंसर, हार्ट स्वास्थ्य, योग और बीमारियों से बचाव पर आधारित एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जाने-माने अभिनेता राजीव खंडेलवाल, अभिनेत्री रितिका आनंद, मेघा आहूजा (डायरेक्टर, सशक्त फाउंडेशन एवं विवेकानंद स्कूल, नई दिल्ली), डा. हरित चतुर्वेदी (चेयरमैन, मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर), मिथुन प्रताप सिंह (फाउंडर, एम्प इंडिया इंटरप्राइजेज) तथा शालिनी शर्मा एवं देवांश शर्मा (फाउंडर, नेचर मोंक फाउंडेशन) सहित कई अतिथियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान डा. हरित चतुर्वेदी ने बंदियों को कैंसर, हृदय स्वास्थ्य, योग के महत्व और बीमारियों से बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जरूरत पड़ने पर वह बंदियों के उपचार में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने कारागार की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए बंदियों को सकारात्मक सोच अपनाने, अपराध से दूरी बनाने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जेल से बाहर निकलने के बाद बंदियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए हार नहीं माननी चाहिए।

अभिनेत्री रितिका आनंद ने योग और ध्यान के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि यह मानसिक तनाव कम करने और मन को शांत रखने का बड़ा माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान अनुराग व शालिनी ने मशरूम, स्ट्रॉबेरी और पपीता के उत्पादन की व्यावहारिक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मशरूम रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और कैंसर के उपचार में भी फायदेमंद माना जाता है। इसी क्रम में नेचर मोंक फाउंडेशन व एम्प इंडिया इंटरप्राइजेज की मदद से जेल में रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की दिशा में कदम बढ़ाया गया।

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने मशरूम और स्ट्रॉबेरी उत्पादन से संबंधित कार्यशाला का फीता काटकर शुभारंभ किया। लिा कारागार अधीक्षक बृजेश कुमार और कारापाल संजय कुमार शाही ने कहा कि बंदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए ऐसे प्रेरणादायी एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे। हर बंदी को स्वस्थ और सकारात्मक सोच के साथ समाज में सम्मानजनक वापसी का अवसर देना उनका लक्ष्य है।

इस जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 250 बंदियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक बृजेश कुमार, कारापाल संजय कुमार शाही, उपकारापाल ज्ञानलता पाल, कमलकांत, राम प्रकाश शुक्ला और मनोरमा सिंह मौजूद रहे।

NMCG दी ने 67वीं ईसी बैठक में प्रमुख प्रदूषण नियंत्रण परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की 67वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में गंगा और यमुना नदी के वैज्ञानिक पुनरुद्धार के लिए प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं, हिमनद अध्ययन, डिजिटल प्रतिरूप निर्माण, सोनार आधारित नदी तल सर्वेक्षण, भूजल पुनर्भरण, ऐतिहासिक मानचित्रों के डिजिटलीकरण और पश्चिम बंगाल व दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से जुडी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृतियों के साथ एनएमसीजी ने नदी संरक्षण को विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वास्तविक समय जल-गतिकीय मॉडलिंग पर आधारित कर दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए भी फैसले लिए।

बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक राजीव कुमार मितल ने की। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार, बैठक में गौरव मसालदान (संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार, जल संसाधन विभाग), नलिन श्रीवास्तव (उप महानिदेशक), अनूप कुमार श्रीवास्तव (कार्यकारी निदेशक तकनीकी), एसपी वशिष्ठ (कार्यकारी निदेशक प्रशासन), ब्रिजेन्द्र स्वरूप (कार्यकारी निदेशक परियोजनाएं), भास्कर दासगुप्ता (कार्यकारी निदेशक वित्त), प्रभास कुमार (परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य मिशन, नंदिनी घोष (परियोजना निदेशक, पश्चिम बंगाल राज्य मिशन) सहित विभिन्न राज्यों और एनएमसीजी के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यकारिणी समिति ने गंगा बेसिन में वैज्ञानिक योजना को मजबूत बनाने के लिए हिमालयी उद्गम क्षेत्र के हिमनदों की निगरानी, गंगा नदी का डिजिटल प्रतिरूप, उच्च रिजोल्यूशन सोनार आधारित नदी तल सर्वेक्षण, प्राचीन धारा मार्ग पर आधारित भूजल पुनर्भरण और ऐतिहासिक मानचित्रों के भू-स्थानिक भंडार निर्माण जैसी परियोजनाओं को स्वीकृति दी।

इन अध्ययनों से जल चक्र, अवसाद प्रबंधन, बाढ जोखिम, भूजल सुरक्षा और नदी स्वास्थ्य के विस्तृत व दीर्घकालिक आंकड़े प्राप्त होंगे। पश्चिम बंगाल के सिलीगुडी में महानंदा नदी प्रदूषण नियंत्रण के लिए 361.86 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी भी दी गई, जिसके तहत 25 अवरोधन और मोड संरचनाएं, 4 उठान केंद्र, 27 एमएलडी और 22 एमएलडी क्षमता के दो अपशिष्ट शोधन संयंत्र तथा व्यापक पाइपलाइन तंत्र विकसित किया जाएगा। परियोजना मिश्रित वार्षिकी आधारित सार्वजनिक निजी सहभागिता मॉडल पर लागू होगी। दिल्ली में यमुना पुनरुद्धार के लिए कोरोनेशन पिलर अपशिष्ट शोधन संयंत्र से यमुना नदी तक परिशोधित अपजल की सुरक्षित निकासी के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

इसमें जहांगीरपुरी नाले से अपरिशोधित अपजल को रोकना, नए पंप केंद्रों का निर्माण, पाइपलाइन, आरसीसी चैनल और नाले पार मार्ग के ढांचे तैयार करना शामिल है। ऊपरी गंगा बेसिन में हिमनद परिवर्तन और हिम पिघलन आधारित प्रवाह के अध्ययन पर 3.98 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा किए जाने वाले इस अध्ययन में हिमनद सिकुड़न, हिमावरण परिवर्तन, प्रवाह पैटर्न और आकस्मिक बाढ जोखिमों का विश्लेषण होगा। बिजनौर से बलिया तक गंगा नदी में लगभग 1100 किलोमीटर लंबे सोनार आधारित तल आकृति सर्वेक्षण के लिए तीन करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना स्वीकृत हुई, जिससे उच्च रिजोल्यूशन अधो जल स्थलरूप का आधार मानचित्र तैयार किया जाएगा। गंगा यमुना दोआब (प्रयागराज कानपुर खंड) में प्राचीन धारा मार्गों पर आधारित भूजल पुनर्भरण परियोजना को 2.42 करोड़ रुपये में मंजूरी दी गई। इसके तहत उपयुक्त स्थलों का चयन, पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण तथा जलस्तर मापन उपकरणों की स्थापना की जाएगी। बैठक में गंगा नदी बेसिन के डिजिटल प्रतिरूप और जल चक्र एटलस तैयार करने की परियोजना को 3.31 करोड़ रुपये में स्वीकृति दी गई, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह दूरसंवेदी तकनीक और जल गतिकीय मॉडलिंग का उपयोग होगा। ऐतिहासिक मानचित्रों के डिजिटलीकरण और भू-स्थानिक डेटाबेस निर्माण की परियोजना 2.62 करोड़ रुपये में स्वीकृत की गई। दिल्ली एनसीआर के विद्यालयों में जल संरक्षण जागरूकता के लिए युवा गंगा, युवा यमुना पहल पर 39.37 लाख रुपये की मंजूरी मिली है। इसके माध्यम से लगभग ढाई लाख विद्यार्थियों को नदी संरक्षण से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार मार्च तक सड़कों के 500 किमी लंबे हिस्सों की मरम्मत करेगी: वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में सड़कों के 500 किलोमीटर लंबे हिस्सों की मरम्मत मार्च 2026 तक करेगी। यह बात पीडब्ल्यूडी मंत्री परवेश वर्मा ने सोमवार को कही।

मंत्री ने स्थानीय विधायकों और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अधिकारियों के साथ दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर और अमर कॉलोनी क्षेत्रों का निरीक्षण किया। वर्मा ने संवाददाताओं से कहा, ''दिल्ली सरकार मार्च तक राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सड़कों के 500 किलोमीटर लंबे हिस्सों की मरम्मत करेगी, इसके लिए निविदाएं जारी की जा रही हैं। टूटी सड़कों, फिसलन वाली सड़कों, फुटपाथ और फुट ओवरब्रिज (एफओबी) की भी मरम्मत की जा रही है।'' हर साल सर्दियों के महीनों में शहर वायु प्रदूषण से जूझता है और प्रदूषण का एक कारण चलती गाड़ियों से सड़कों पर उड़ने वाली धूल है। वर्मा ने कहा, ''हमें केंद्र सरकार से 800 करोड़ रुपये मिले हैं, जिनका इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा, हमें केंद्र से यह आश्वासन भी मिला है कि इस राशि को सड़क और मरम्मत कार्यों पर खर्च करने के

बाद भविष्य में और अधिक धनराशि आवंटित की जाएगी।'' इस साल की शुरुआत में, दिल्ली सरकार की सड़क धूल शमन योजना के तहत, वर्मा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी, जिसमें 153 सड़क मरम्मत परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई थी। पिछले महीने, केंद्र सरकार ने दिल्ली में सड़क अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं के लिए 803 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। यह धनराशि केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना कोष (सीआरआईएफ) के तहत स्वीकृत की गई थी।

बिरसा मुंडा की विरासत आज भी भारत की सामूहिक चेतना का करती है मार्गदर्शन : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाते हुए इस संकल्प को दोहराएं कि भारत विविधता का सम्मान करे, पर्यावरण की रक्षा करे और सबसे वंचित व्यक्ति को भी राष्ट्र की मुख्यधारा में उसका सम्मानित स्थान मिले। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को विधान सभा परिसर में आयोजित भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कही। गुप्ता ने बिरसा मुंडा को साहस का प्रतीक बताया, जिनकी विरासत आज भी भारत की सामूहिक चेतना का मार्गदर्शन करती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और विधायक संजय गोयल उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रदूषण के बीच दिल्ली में निर्माण कार्य रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली में सभी निर्माण कार्यों को रोकने की मांग खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस तरह के कदम उठाने की बजाय हमें दीर्घकालिक समाधान के बारे में सोचना होगा। मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति के हिसाब से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग कदम उठाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को पंजाब, हरियाणा, यूपी और राजस्थान सरकार के साथ बैठक कर वायु प्रदूषण संकट से निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान पर सुझाव देने को कहा, ताकि इस समस्या का स्थायी निवारण किया जा सके। कोर्ट ने केंद्र सरकार को इसके लिए एक दिन का समय दिया है। इसके लिए कोर्ट ने सरकार को एक दिन का समय दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो हलफनामा दाखिल कर बताएं कि क्या दिल्ली में प्रदूषण पर निगरानी के लिए इस्तेमाल हो रहे उपकरण इसके लिए सक्षम हैं। न्यायालय ने कहा कि दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण स्तर पर रोक लगाने के लिए वो कड़े निर्देश जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि हम विशेषज्ञों का स्थान नहीं ले सकते हैं। पर्यावरण संबंधी चिंताओं और विकास के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। निर्माण और इससे जुड़े सभी क्षेत्रों पर लाखों परिवारों की आजीविका निर्भर है, इसलिए एक व्यापक प्रतिबंध लगाने से गंभीर सामाजिक और आर्थिक नतीजे देखने को मिल सकते हैं।

झाड़ियों के पास मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर थानाक्षेत्र में सोमवार सुबह रेलवे लाइन के पास घनी झाड़ियों से एक युवक का शव मिला। सुबह मिली पीसीआर कॉल के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में मृतक की पहचान अंगद (32) के रूप में हुई। वह बसई दारापुर में रहता था और मूल रूप से संत कबीर नगर (उप्र) का निवासी था। मृतक लकड़ी पॉलिश का काम करता था और मायापुरी की एक फैक्टरी में मजदूरी करता था। पुलिस अधिकारी के अनुसार परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि अंगद रविवार रात तक घर नहीं लौटा था। लगातार फोन करने के बावजूद उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। परिवार ने सोचा कि वह शायद दोस्तों के साथ रुका होगा, लेकिन सुबह तक घर न पहुंचने पर वे चिंतित हो उठे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इधर सोमवार सुबह करीब सात बजे एक व्यक्ति रेलवे लाइन के पास से गुजर रहा था, तभी झाड़ियों में पड़ी एक लाश पर उसकी नजर गई। करीब जाकर देखने पर उसने मृतक की पहचान अंगद के रूप में की और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

द्वारका में कुख्यात साइकिल चोर गिरफ्तार, 16 चोरी की साइकिल बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की द्वारका दक्षिण थाना टीम ने एक बड़े सफल अभियान में कुख्यात साइकिल चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 16 चोरी की साइकिल बरामद की गईं, जिससे क्षेत्र में हुई चोरी की छह घटनाओं का खुलासा हुआ। मामले की शुरुआत द्वारका दक्षिण क्षेत्र में साइकिल चोरी की बढ़ती शिकायतों से हुई, जहां कई लोगों ने साइकिल चोरी की शिकायत की। एसीपी द्वारका किशोर कुमार रेवाला के पर्यवेक्षण में इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह (एसएचओ, द्वारका दक्षिण) ने एक विशेष टीम गठित की। टीम में हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार (987/डीडब्ल्यू), मनोज कुमार (828/डीडब्ल्यू), गजे सिंह (1030/डीडब्ल्यू), सुरेंद्र (764/डीडब्ल्यू) और कांस्टेबल तुषार यादव (1803/डीडब्ल्यू) शामिल थे। टीम ने आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। स्थानीय मुखबिरों को सक्रिय किया गया और तकनीकी व मैनुअल खुफिया जानकारी एकत्र की गई।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस; गत तीन साल में नवंबर का सबसे ठंडा दिन

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार की सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस कम 8.7 डिग्री दर्ज किया गया जो गत तीन साल में नवंबर की सबसे ठंडी सुबह रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग(आईएमडी) ने यह जानकारी दी। इससे पहले नवंबर में सबसे कम तामपान 29 नवंबर 2022 को 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर महीने का सबसे कम न्यूनतम तापमान 2023 में 9.2 डिग्री सेल्सियस और 2024 में 9.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। निजी मौसम पूर्वानुमान संस्थान स्काईमेट के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने कहा कि दिल्ली में बारिश होने के बाद पारा और गिरने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''जब तक बारिश नहीं होगी, दिन का तापमान नहीं गिरेगा। बारिश के बाद तापमान में तेजी से गिरावट आएगी।'' पलावत के मुताबिक आने वाले दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना है, जिससे राजधानी में सुबह की ठंड और बढ़ सकती है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली में सुबह 8.30 बजे आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत रहा। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक सोमवार को दिन में आसमान साफ रहेगा और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जाएगा।

भाजपा दिल्ली अध्यक्ष ने लाला लाजपत राय को दी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को स्वाधीनता संग्राम सेनानी, कुशल राजनेता, अद्वितीय लेखक और विलक्षण संगठनकर्ता 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। सचदेवा ने एक्स पोस्ट में कहा कि माँ भारती की स्वाधीनता के लिए आपका अद्भुत संघर्ष, सभी देशवासियों को युगों-युगों तक राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। सचदेवा ने इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति और सेवा की भावना को याद करते हुए सभी देशवासियों से लाला लाजपत राय के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को हुआ था और वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन, असहयोग आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और साइमन कमीशन के विरोध में अंग्रेजों की लाठीचार्ज का शिकार होकर 17 नवंबर 1928 को वे बलिदान हो गए थे।

80 वर्षीय महिला के सोने के झुमके बदलकर उसे ठगने के आरोप में महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली में 50 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर 80 वर्षीय महिला की दिवंगत बेटी का शोक मनाने के बहाने उसके घर में प्रवेश किया और उसके सोने के झुमके नकली झुमकों से बदल लिए। पुलिस ने यह जानकारी सोमवार को दी। यह घटना 30 अक्टूबर को तब सामने आई जब चांदनी महल थाने में एक पीसीआर कॉल आई जिसमें सोने के झुमके चोरी होने की सूचना दी गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि एक दिन पहले एक अज्ञात महिला उसके घर आई थी और दावा किया था कि वह उसकी दिवंगत बेटी को जानती है।

बातचीत के जरिए महिला का विश्वास जीतकर, आरोपी अगले दिन वापस आई और बुजुर्ग महिला से कहा कि उसका एक झुमका ढीला हो गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे कसने के बहाने उसने कथित तौर पर नकली बाली पहना दी और चली गई। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस ने इलाके में लगे कई सीसीटीवी कैमरों की जांच की और व्यापक स्थानीय पूछताछ की। हालांकि महिला ने हिजाब पहना हुआ था, फिर भी फुटेज में उसकी चाल, आंखें और माथे का कुछ हिस्सा

दिखाई दे रहा था। उसके चेहरे की बनावट शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए विवरण से मेल खाती है। निरंतर तकनीकी और निगरानी के बाद, काला महल निवासी आरोपी का पता लगाया गया और उसे 15 नवंबर को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर आर्थिक लाभ के लिए अपराध करने की बात स्वीकार की और कहा कि वह ठगने के लिए समान आकार और डिजाइन का कृत्रिम झुमका लेकर आई थी। पुलिस ने कहा कि चोरी किए गए सोने के झुमके बरामद करने और यह पता लगाने के प्रयास जारी हैं कि क्या वह पहले भी इसी तरह के अन्य अपराधों में शामिल थी।

दुबई से जुड़े विदेशी मुद्रा घोटाले का पर्दाफाश, निजी बैंक कर्मचारी समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दुबई से संचालित विदेशी मुद्रा व्यापार घोटाले में शामिल एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट के साथ संबंधों के आरोप में एक निजी बैंक के बिक्री प्रबंधक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान फर्जी खाते मुहैया कराने वाले अनुराग कुमार, एक निजी बैंक के बिक्री प्रबंधक जीशान सैयद और धोखाधड़ी तथा जालसाजी में पूर्व में शामिल रहे प्रमुख संचालक हिमांशु गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वे कथित तौर पर एक ऐसे नेटवर्क का हिस्सा थे, जिसने मुखौटा कंपनियां बनाईं और निवेश धोखाधड़ी से प्राप्त धन को सफेद करने के लिए कई फर्जी खाते खोले। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरोह सोशल मीडिया समूहों के

माध्यम से लोगों को लुभाता था तथा फर्जी विदेशी मुद्रा व्यापार लाभ दिखाने के लिए डैशबोर्ड में हेराफेरी करता था। इसके बाद लोगों को बार-बार पैसा जमा करने के लिए प्रेरित किया जाता था, जिसे बाद में ''रीबूटज सिंक प्रोफेशनल्स प्राइवेट लिमिटेड'' और ''थिंकसिंक प्रोफेशनल्स प्राइवेट लिमिटेड'' जैसी संस्थाओं के तहत बनाए गए खातों के एक नेटवर्क के माध्यम से भेजा जाता था। पुलिस ने कहा कि इन कंपनियों की पूरी बैंकिंग किट - जिसमें एटीएम कार्ड, चेक बुक, खातों से जुड़े सिम कार्ड और नेट-बैंकिंग विवरण शामिल हैं - दुबई में बैठे साइबर अपराधियों के हवाले कर दी गई थीं। उन्होंने बताया कि हैंडलर अब्दुल उर्फ विक्की फिलहाल जांच के दायरे में है। तीनों आरोपियों को दिल्ली और फरीदाबाद में अलग-अलग अभियानों में गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि अनुराग कुमार ने कथित तौर पर कई फर्जी खाते खोले और दो लाख रुपये के भुगतान पर उनका नियंत्रण अन्य आरोपियों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि अतिरिक्त सदस्यों की पहचान करने और धन के अंतरराष्ट्रीय प्रवाह का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

वंदे मातरम् भारत की राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति के उत्कर्ष का प्रतीक : प्रो. सिंह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को पूरे देश में आगामी एक वर्ष तक स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालय भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। सोमवार को दयाल सिंह महाविद्यालय (सांध्य) में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् गायन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी एवं रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, महाविद्यालय के चेयरमैन प्रो. डी. एस. चौहान और प्राचार्या प्रो. भावना पाण्डेय ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् भारत की राष्ट्रीय

चेतना, सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति के उत्कर्ष का प्रतीक है। यह एक कालजयी कृति है, जिसका भारतीय इतिहास में अप्रतिम महत्त्व है। उन्होंने बताया कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होना केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि इसके ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने वाली एक राष्ट्रीय पहल है। प्रो. सिंह ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का स्मरण करना चाहिए, जिनकी इस रचना ने सम्पूर्ण देश में स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांति की ज्वाला प्रज्वलित की। उन्होंने राष्ट्र गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके प्रभाव पर विस्तार से बात की। प्राचार्या प्रो. भावना पाण्डेय ने महाविद्यालय के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए वंदे मातरम् में निहित राष्ट्रप्रेम की भावना को अपने शब्दों में अभिव्यक्त किया। महाविद्यालय के चेयरमैन प्रो. डी. एस. चौहान ने भी राष्ट्रीय गीत के महत्त्व और स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय चेतना जगाने में उसकी महती भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में दयाल सिंह महाविद्यालय (प्रातः) के प्राचार्य प्रो. वी. के पालीवाल की भी उस्थिति रही।

दिल्ली में विवाहेतर संबंध के शक में पत्नी की हत्या करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी में विवाहेतर संबंध के शक में पत्नी की हत्या कर शव को खुले नाले में फेंकने के आरोप में 31-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी विष्णु शर्मा को 14 नवंबर को महिला का शव बरामद होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने बताया कि विष्णु आदतन अपराधी है और पहले भी तीन मामलों में शामिल रहा है।

विष्णु को शक था कि उसकी पत्नी का विवाहेतर संबंध है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''चौदह नवंबर को शाम करीब 4.30 बजे यशपाल नामक व्यक्ति ने पुलिस को एक पीसीआर कॉल करके बताया कि एक महिला का शव नाले के पास पड़ा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और आंशिक रूप से डूबा हुआ एक महिला का शव बरामद किया।'' प्रारंभिक जांच के दौरान विष्णु घटनास्थल पर पहुंचा और पुलिस को बताया कि मृतक उसकी पत्नी श्वेता शर्मा थी। विष्णु ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसे लंबे समय से शक था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध है, जिसके कारण दंपति के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ''तेरह नवंबर को रात करीब नौ बजे दंपति के बीच फिर से तीखी बहस हुई, जिसके दौरान विष्णु शर्मा ने आपा खो दिया और घर के अंदर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद सबूत नष्ट करने के लिए विष्णु पत्नी का शव अपने कंधे पर उठाकर औद्योगिक क्षेत्र के पास एक खुले नाले में फेंककर भाग गया।'' जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें आरोपी अपनी पत्नी का शव नाले की ओर ले जाता दिखाई दे रहा है।

बाद में विष्णु को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने बताया कि सत्यापन के दौरान विष्णु का आपराधिक इतिहास सामने आया, जिसमें आबकारी उल्लंघन और चोरी से जुड़ी पिछली तीन घटनाओं का खुलासा हुआ।

दिल्ली पुलिस पवेलियन का उद्घाटन

नई दिल्ली। भारत मंडपम में चल रहे इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में आज दिल्ली पुलिस की उपस्थिति विशेष रही। सोमवार दोपहर दिल्ली पुलिस पवेलियन का उद्घाटन पुलिस आयुक्त सतीश गोल्चा ने किया। पवेलियन का उद्देश्य नागरिकों को नए आपराधिक कानूनों, साइबर सुरक्षा, नशा-रोधी प्रयासों और पुलिस कल्याण गतिविधियों के बारे में जागरूक करना है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पवेलियन में बनाए गए चार प्रमुख स्टॉलों के जरिए दिल्ली पुलिस ने अपने आधुनिक और नागरिक-केंद्रित कार्यों को प्रदर्शित किया। उद्घाटन के बाद, पुलिस आयुक्तसतीश गोल्चा ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराध, और नशे के खतरे के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने ऐसे नागरिक-केंद्रित कार्यक्रमों को पूरे दिल्ली में जारी रखने पर बल दिया।

नए आपराधिक कानूनों से लेकर साइबर सुरक्षा तक

नए आपराधिक कानूनों की जानकारी

यहां आगंतुकों को नए क्रिमिनल लॉ के महत्वपूर्ण प्रावधानों, बदलावों और उनके नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स

इस स्टॉल पर युवाओं को ड्रग्स के दुष्परिणामों, नशा तस्करी के नेटवर्क और इस खतरे से निपटने के पुलिस प्रयासों के बारे में शिक्षित किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां साइबर धोखाधड़ी के तरीकों, रिपोर्टिंग प्रक्रिया और खुद को सुरक्षित रखने के उपायों का लाइव प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस फैमिली वेलफेयर सोसाइटी के उत्पादों और सेवाओं की बिक्री के लिए समर्पित यह स्टॉल विशेष रूप से महिला आगंतुकों का ध्यान खींच रहा है।

आगामी दिनों में कई इंटरैक्टिव गतिविधियां

आगंतुकों के लिए दिल्ली पुलिस ने कई लाइव और सहभागितापूर्ण गतिविधियों की योजना बनाई है। इसमें सीईआईआर की लाइव डेमो-चोरी/गुम मोबाइल की वास्तविक समय में जांच। इसके अलावा साइबर क्विज और 'स्पॉट द स्कैम' चैलेंज, बच्चों के लिए 'दिल्ली पुलिस अंकल' मैस्कॉट से मुलाकात, महिला सुरक्षा, ट्रैफिक और साइबर क्राइम से जुड़े सवालों के समाधान, दिल्ली पुलिस सेल्फी स्टेशन, सोशल मीडिया एंगेजमेंट काउंटर, सीपीआर की लाइव डेमो, महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा सत्र, डिजिटल सर्विसेज कियोस्क- एफआईआर रजिस्ट्रेशन, लॉस्ट रिपोर्ट, वेरिफिकेशन और चालान भुगतान शामिल है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

ट्रंप ने फोड़ा परमाणु बम!

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले और तमाम झूठ-प्रपंच का सहारा लेने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या सार्वजनिक बयान देकर दुनिया को बताएंगे कि अमरीका ने एक और परमाणु बम परीक्षण किया है? परमाणु परीक्षण 19-21 अगस्त के बीच किया गया, जबकि अलास्का में 15 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई और लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन 14 नवंबर को यह खबर सामने क्यों लाई गई कि अमरीका ने नेवादा के मरुस्थली रेत वाले टोनोपा टेस्ट रेंज में परमाणु बम का परीक्षण किया? तीन महीने तक परीक्षण को छिपा कर क्यों रखा गया? परीक्षण किए गए बम को बी 61-12 ग्रैविटी परमाणु बम नाम दिया गया है। यह जापान के हिरोशिमा पर 1945 में गिराए गए एटम बम से 24 फीसदी अधिक ताकतवर बम बताया जा रहा है। हिरोशिमा बम हमले में 1.40 लाख लोग मारे गए थे। करीब 38,000 बच्चों की भी अकाल मौत हुई थी। 1945 के बाद एक बेहद लंबा वक्त बीत चुका है। क्या अमरीका ने परमाणु परीक्षण कर एक बार फिर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी है और दुनिया को 'परमाणु युद्ध' के मुहाने पर ला खड़ा किया है? बीते दिनों रूस ने बुरिवेस्निक और पोसाइडन सरीखी विनाशकारी मिसाइलों के परीक्षण किए थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ी आलोचना की थी और अमरीका द्वारा परमाणु परीक्षण करने की लगातार धमकी दी थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां तक बयान दिया था कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया, पाकिस्तान जैसे देश लगातार परमाणु परीक्षण कर रहे हैं और ये परीक्षण भूमि के नीचे किए जाते हैं। यदि जमीन हिलती है, तो उसे भूकंप करार दिया जाता है। बहरहाल यह सच अब सामने आया है कि अमरीका तो अगस्त में ही परमाणु बम का परीक्षण कर चुका है और परीक्षण के वीडियो 'पेंटागन' को भेजे गए हैं। यह परीक्षण राष्ट्रपति ट्रंप की अनुमति के बाद ही किया गया है। यह कथित परमाणु बम एफ-35 लड़ाकू विमान से गिराया गया और एरिया-51 में 'सीक्रेट टेस्ट' किया गया, जो पूर्णतः सफल रहा। यही नहीं, एटम बम के उपकरणों के भी परीक्षण किए गए। अमरीका ने 1992 में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था। उससे पहले 1990 में सोवियत संघ परमाणु परीक्षण कर चुका था। 1996 में चीन और फ्रांस ने अपने परमाणु परीक्षण किए। भारत और पाकिस्तान ने मई, 1998 में परीक्षण किए। उसी दौर में परमाणु परीक्षण पर व्यापक और आंशिक प्रतिबंध लगाने वाली संधियां हुईं, हालांकि भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए। बहरहाल अमरीका के पास तो 1945 में ही ऐसा एटम बम था, जिसने हिरोशिमा और नागासाकी सरीखे जापानी शहरों को मिट्टी-मलबा बना दिया था। लाखों मासूम और अकाल मौतें हुईं और कई पीढ़ियों तक उस परमाणु हमले के प्रभाव देखे गए।

सवालों के घेरे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

जहाँ वैश्विक शक्ति-मानचित्र बदल गया है-चीन का उदय हुआ, भारत आर्थिक व राजनीतिक रूप से नई ऊँचाइयों पर पहुँचा, अफ्रीका उभरती संभावनाओं का महाद्वीप बन गया, लातिन अमेरिका राजनीतिक रूप से अधिक मुखर हुआ-वहाँ सुरक्षा परिषद अब भी 1945 की मानसिकता में फंसी है। परिणामस्वरूप, कई देश इसे "वैध" के बजाय केवल "पुरानी व्यवस्था" का अवशेष समझने लगे हैं। तीसरी समस्या है-शांति अभियानों की राजनीतिक विफलता। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों ने कई जगह हिंसा को रोका जरूर, परंतु राजनीतिक स्थिरता नहीं ला सके। यह ऐसा था मानो किसी टूटते हुए घर की दीवार पर रंग तो कर दिया जाए, लेकिन दरारों की मरम्मत न की जाए। शांति केवल बंदूकें शांत कर देने से नहीं आती; यह आती है संवाद, समावेशन, शासन-सुधार और समाज के भीतर विश्वास पैदा करने से। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का तंत्र शांति स्थापना और राजनीतिक समाधान को एकीकृत नहीं कर पाता। उदाहरण के लिए, कई अफ्रीकी देशों में शांति सेना लगाने के बाद राजनीतिक मार्गदर्शन का अभाव रहा।

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

सवालों के घेरे में खड़ा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद केवल एक संस्था का संकट नहीं है, बल्कि यह वैश्विक नैतिक नेतृत्व के क्षरण की बड़ी कहानी भी है। जब संयुक्त राष्ट्र का जन्म हुआ था, तब दुनिया दूसरी विश्वयुद्ध की राख से निकल रही थी और मानवता ने सामूहिक रूप से यह प्रण लिया था कि भविष्य में किसी भी बड़े युद्ध को रोका जाएगा। उस सपने का केंद्र था-सुरक्षा परिषद, जिसे शांति का संरक्षक, वैश्विक न्याय का प्रहरी और सामूहिक सुरक्षा का आधार माना गया। मगर आज, लगभग 80 वर्ष बाद, जब दुनिया यूक्रेन, गाज़ा, सूडान, यमन, म्यांमार और साहेल जैसे संघर्षों से दहक रही है, तब यह संस्था अक्सर मौन खड़ी दिखाई देती है।

यह मौन केवल असहायता का प्रतीक नहीं है, बल्कि उस संरचनात्मक कमजोरी का भी संकेत है जिसने वर्षों में इसकी विश्वसनीयता को खोखला कर दिया। जब दुनिया भर के नागरिक शांति की उम्मीद में इस संस्था की ओर देखते हैं, तब यह भू-राजनीतिक हितों की जकड़ में बंधी दिखाई देती है। यही कारण है कि आज शांति का सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं सबसे बड़े सवालों का विषय बन गया है।

सबसे बड़ी समस्या है-वीटो शक्ति से पैदा होने वाला शक्ति-असंतुलन। पाँच स्थायी सदस्य देशों के हाथों में केंद्रित यह शक्ति उन्हें किसी भी प्रस्ताव को रोकने का अधिकार देती है, भले वह प्रस्ताव मानवीय त्रासदी को रोकने जितना आवश्यक ही क्यों न हो। यही कारण है कि गाज़ा में हज़ारों बच्चों की मौतें हों, यूक्रेन में शहरों के शहर तबाह हो जाएँ, या म्यांमार में लोकतांत्रिक संस्थाओं का विनाश हो-सुरक्षा परिषद अक्सर पक्षाघात की स्थिति में दिखाई देती है। यह एक ऐसे दरवाज़े का दृश्य बन गया है जिसके बाहर सहायता की गुहार लगाने वाले लाखों लोग खड़े होते हैं, लेकिन उस दरवाज़े को खोलने की चाबी कुछ सीमित देशों के हाथों में होती है, जो अपने राष्ट्रीय हितों को वैश्विक शांति से ऊपर रख देते हैं।

सवाल यहाँ से आगे बढ़ता है-क्या शांति किसी राष्ट्र के हितों से छोटी हो सकती है? क्या हत्या और भूख से जूझते लोग किसी स्थायी सदस्य की भू-नीति के कारण मृत्यु के लिए छोड़ दिए जाएँ? क्या संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन का उद्देश्य केवल औपचारिक बयान देना रह गया है? ये प्रश्न आज तीखे होते जा रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर में मीडिया, नागरिक समाज और शांति विशेषज्ञ लगातार यह महसूस कर रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र की नैतिक शक्ति का क्षरण हो चुका है।

दूसरी समस्या है-इस संस्था की संरचना का अप्रतिनिधिक होना। दुनिया 1945 से अब पूरी तरह बदल चुकी है, लेकिन यूएनएससी की संरचना लगभग जड़वत है। अफ्रीका, जो संघर्षों का केंद्र भी है और शांति के लिए सर्वाधिक योगदान भी देता है, उसका कोई स्थायी प्रतिनिधि नहीं है। भारत जैसा विशाल लोकतंत्र, जिसके योगदान शांति रखरखाव से लेकर मानवीय सहायता तक व्यापक हैं, उसे भी अब तक स्थायी सदस्यता नहीं मिली है। यह एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था का संकेत है जो वास्तविकता से कट चुकी है।

जहाँ वैश्विक शक्ति-मानचित्र बदल गया है-चीन का उदय हुआ, भारत आर्थिक व राजनीतिक रूप से नई ऊँचाइयों पर पहुँचा, अफ्रीका उभरती संभावनाओं का महाद्वीप बन गया, लातिन अमेरिका राजनीतिक रूप से अधिक मुखर हुआ-वहाँ सुरक्षा परिषद अब भी 1945 की मानसिकता में फंसी है। परिणामस्वरूप, कई देश इसे "वैध" के बजाय केवल "पुरानी व्यवस्था" का अवशेष समझने लगे हैं।

तीसरी समस्या है-शांति अभियानों की राजनीतिक विफलता। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों ने कई जगह हिंसा को रोका जरूर, परंतु राजनीतिक स्थिरता नहीं ला सके। यह ऐसा था मानो किसी टूटते हुए घर की दीवार पर रंग तो कर दिया जाए, लेकिन दरारों की मरम्मत न की जाए। शांति केवल बंदूकें शांत कर देने से नहीं आती; यह आती है संवाद, समावेशन, शासन-सुधार और समाज के भीतर विश्वास पैदा करने से। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का तंत्र शांति स्थापना और राजनीतिक समाधान को एकीकृत नहीं कर पाता।

उदाहरण के लिए, कई अफ्रीकी देशों में शांति सेना लगाने के बाद राजनीतिक मार्गदर्शन का अभाव रहा, जिसके कारण थोड़े समय बाद हिंसा फिर भड़क उठी। यह विफलता केवल संसाधन या क्षमता की नहीं, बल्कि दृष्टि-हीन रणनीति की भी है।

चौथी समस्या है-निरंतरता का अभाव। यूएनएससी अक्सर केवल संकट की शुरुआत में सक्रिय होता है, लेकिन जब स्थिति स्थिर होने लगती है, तब उसकी उपस्थिति कम हो जाती है। इससे संघर्षग्रस्त देश राजनीतिक संक्रमण के बीच झूलते रह जाते हैं। यह "अधूरी शांति" का निर्माण करता है, जिसका अंत प्रायः नई हिंसा में होता है।

पाँचवीं समस्या है-इन विफलताओं के कारण संयुक्त राष्ट्र के प्रति भरोसे का क्षरण। आज वैश्विक दक्षिण में यह धारणा तेजी से बढ़ रही है कि सुरक्षा परिषद कुछ देशों की राजनीतिक लड़ाई का मैदान बन गया है। यही कारण है कि अफ्रीकी संघ, आसियान, अरब लीग और यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठन अपने-अपने सुरक्षा ढाँचे मजबूत कर रहे हैं, और यह प्रवृत्ति संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को सीमित करती जा रही है।

इन सबके बीच प्रश्न उठता है-क्या समाधान है? क्या यूएनएससी को बदलने की जरूरत है? या उसे पुनर्जीवित करने की? उत्तर है-दोनों।

सुरक्षा परिषद में संरचनात्मक बदलाव आवश्यक हैं-नए स्थायी सदस्य, वीटो शक्ति की समीक्षा, क्षेत्रीय संतुलन-परंतु उससे भी अधिक आवश्यक है कार्यप्रणाली में सुधार। संयुक्त राष्ट्र महासभा अनुच्छेद 22 के तहत नए संस्थान बनाकर सुरक्षा परिषद की कमजोरियों की भरपाई कर सकती है। एक शांति एवं सतत सुरक्षा बोर्ड जैसी संस्था यह सुनिश्चित कर सकती है कि राजनीतिक निरंतरता बनी रहे, संघर्ष-बाद सुधारों की निगरानी हो, और शांति केवल युद्धविराम पर आधारित न होकर दीर्घकालिक राजनीतिक स्थिरता में बदले।

इसके साथ क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका भी बढ़ानी होगी, क्योंकि वे स्थानीय संस्कृति, राजनीति और जमीनी वास्तविकताओं को बेहतर समझते हैं। शांति स्थापना अभियानों को राजनीतिक रणनीति के साथ जोड़ना होगा ताकि केवल बंदूकें ही नहीं, बल्कि मन भी शांत हो सकें।

सबसे महत्वपूर्ण है-संयुक्त राष्ट्र को स्वयं अपनी नैतिक विश्वसनीयता को पुनः स्थापित करना होगा। वह तभी संभव है जब वह मानवीय संकटों में समयबद्ध, निष्पक्ष और साहसिक निर्णय लेने में सक्षम हो। केवल बयान देने की संस्कृति से आगे बढ़कर, उसे वास्तविक प्रवर्तन-आधारित शांति तंत्र बनना होगा।

आज दुनिया भय, ध्रुवीकरण, तकनीकी संघर्ष, आतंकवाद, जल-संकट, और युद्ध की आशंकाओं से जूझ रही है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता मानवता को निराश कर रही है। शांति के इस सबसे बड़े संरक्षक पर उठते सवाल तभी शांत होंगे जब यह संस्था स्वयं को 21वीं सदी के अनुरूप पुनर्निर्मित करेगी।

समय आ गया है कि दुनिया संयुक्त राष्ट्र से वह भूमिका वापस मांगे जिसे निभाने का वादा उसने 80 वर्ष पहले किया था- शांति, न्याय और मानवता की रक्षा।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख की बढ़ी ताकत, सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा ?

मृत्युंजय दीक्षित

दरकता पाकिस्तान कई नागरिक समस्याओं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, दैनिक जीवन के उपयोग की वस्तुओं को जुटाने की जद्दोजहद से जूझ रहा है। बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनवा जैसे प्रान्त सुलग रहे हैं। हुक्मरान इनको दबाने के लिए सीमाओं पर आग लगा रहे हैं। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का झुकाव भी पाकिस्तान की ओर लग रहा है। इन सबके बीच जिस तरह पाकिस्तान की सेना प्रमुख की शक्तियों को संविधान संशोधन के माध्यम से बढ़ाया गया है वह भविष्य के लिए खतरनाक संकेत दे रहा, क्योंकि सेना प्रमुख मुनीर लगातार आतंकवाद को संरक्षण व पूरा सहयोग कर रहा है।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख को मिली शक्तियों के अनुसार अब जब कभी पाकिस्तान का भारत या अफगानिस्तान के साथ युद्ध होगा तब सेना प्रमुख मुनीर ही परमाणु हमला करने का फैसला करेगा। मुनीर को परमाणु हमला करने की यह शक्ति उस समय मिली है जब कुछ दिनो पूर्व ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान दिया है कि पाकिस्तान चोरी छिपे तथा रूस, चीन और कोरिया लगातार परमाणु परीक्षण कर कर रहे हैं इसलिए हम भी करेंगे।

पाकिस्तान की संसद ने सेना प्रमुख आसिफ मुनीर की शक्तियों को बढ़ाने और सुप्रीम कोर्ट की ताकत को कम करने वाले 27वें संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। नए कानून के अनुसार मुनीर को चीफ आफ डिफेंस फोर्सज बनाया जा रहा है। यह 27 नवंबर 2025 से लागू हो जाएगा। पद मिलते ही उन्हें परमाणु हथियारों की कमांड मिल जाएगी। अपना कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद भी वह अपने पद पर बने रहेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी छूट मिलती रहेगी अर्थात नए कानून के अनुसार अब आसिफ मुनीर को आजीवन कोई नहीं हटा सकेगा ।

अब पाकिस्तान की संसद ने अदालतों पर भी अपना नियंत्रण कर लिया है जिसके अंतर्गत अब सरकार तय करेगी कि कौन से जज कौन सा केस सुनेंगे। अब जजों का ट्रांसफर राष्ट्रपति करेंगे । पहले यह अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास था । अब अगर वहां की अदालत में कोई केस एक साल तक नहीं चला तो वह केस बंद कर दिया जाएगा। नए संविधान संशोधन के बाद अब सुप्रीम कोर्ट की ताकत घट जाएगी और राष्ट्रपति नाम मात्र का सुप्रीम कमांडर रह जाएगा।

पाकिस्तान के संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि अब देश की सेना और ताकतवर हो जाएगी। पाकिस्तान में अब तानाशाही का एक नया दौर देखने को मिल सकता है जो दक्षिण एशिया की शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। पाकिस्तान के विरोधी दल जहां इसे लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बता रहे हैं । वहीं प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ इसे राष्ट्रीय एकता के लिए उठाया गया कदम बता रहे हैं। पाकिस्तान में आलोचकों का कहना है कि यह बदलाव देश को सैन्य शासन की ओर ले जा रहा है।

पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि वहां के आर्मी चीफ रिटायर हो जाने के बाद विदेश चले जाते थे लेकिन अब मुनीर न तो रिटायर होंगे और न ही विदेश जाएंगे। लेकिन क्या वहां के अन्य आर्मी कमांडरो को यह बात मंजूर होगी? पाकिस्तान के इतिहास में यह परंपरा रही है कमांडर रिटायरमेंट के बाद यूरोप, सऊदी अरब या अमीरात में आराम का जीवन व्यतीत करने के लिए चले जाते हैं । जनरल अशफाक परवेज कियानी से लेकर जावेद बाजवा तक ने अपने ठिकाने विदेश में बनाए और पूर्वसेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ का हाल तो पता ही है क्या हुआ। किन्तु अब आसिफ मुनीर संविधान संशोधन की आड़ लेकर अपने पद पर अजर अमर हो रहे हैं।

भारत भी आपरेशन सिंदूर के समय तय कर चुका है कि अब अगर भारत पर आतंकवादी हमला हुआ तो वह एक्ट आफ वॉर ही माना जाएगा। 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले के पास बम धमाका हो चुका है जिसकी गहन जांच चल रही है और धमाके के लिंक जैश- ए -मोहम्मद से ही जुड़ते नजर आ रहे हैं। मुनीर भारत से पंगा लेने के लिए बेचैन लग रहा है। पाकिस्तान को लगातार भय सता रहा है कि अबकी बार भारत पाकिस्तान को छोड़ेगा नहीं। यदि युद्ध हुआ तो पाकिस्तान को भी कम से कम चार फ्रंट पर युद्ध करना ही पड़ेगा और तब पाकिस्तान अपना अस्तित्व बचाने के लिए भारत पर परमाणु हमला करने की हिमाकत कर सकता है। मुनीर नागरिक समस्याओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए कई पैंतरे अपना रहा है और भारत में आतंकी हमले कराना उसी का हिस्सा है। किन्तु मुनीर को ध्यान रखना चाहिए कि अब समय बदल चुका है और अबकी बार ऐसी हिम्मत से पाकिस्तान का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

शिवलिंग पर ऐसे चढ़ाए बेलपत्र, खत्म होगी धन संबंधी दिक्कत

श्रावण माह में भगवान शिव को प्रसन्न करना है तो श्रावण सोमवार को शिव कि विशेष पूजा की जाती है। भगवान शिव बड़े ही दयालु है वे अपने भक्त की मुराद जल्द ही सुन लेते है। श्रावण माह कोई आम महीना नहीं है। हिन्दू धर्म में इसे बहुत ही पवित्र माह माना गया है। आप श्रावण के हर सोमवार को शिव पूजा अवश्य करतें होंगे। अनेक प्रकार से शिव की पूजा की जाती है जिससे शिव प्रसन्न होते है। लेकिन श्रावण माह के सोमवार को आप बेलपत्र से भगवान शिव की विशेष पूजा करें। जिससे आपके धन की दिक्कतें हमेशा के लिए दूर हो जाएगी। साथ ही आपको अनेकों फायदे भी मिलेंगे।

धर्मकर्म

भगवान शिव की अनेक प्रकार से पूजा होती है। जिससे भगवान अलग-अलग कामनाओं को पूरा करते है। लेकिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से आपकी धन संबंधित परेशानियां बिल्कुल ही खत्म हो जाएगी। इस श्रावण सोमवार को आप खास विधि के तहत भगवान शिव की बेलपत्र से पूजा-अर्चना करें। क्योंकि भगवान शिव की विशेष पूजा करने का दिन श्रावण का सोमवार रहता है और शिवजी को बेलपत्र अत्यधिक पसंद है। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है, बड़े से बड़ा रोग दूर होता है, संतान सुख प्राप्त होता है तथा कोर्ट के मुकदमों में जीत हासिल होती है।

भगवान शिव की बेलपत्र से पूजा करने की खास विधि आज हम आपको बता रहें है। श्रावण सोमवार को अगर आप इस विधि से शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएंगे तो आपकी धन संबंधित समस्या खत्म हो जाएगी। सबसे पहले आप वृक्ष से बेलपत्र ले आइए। इनमें सें बिना कटे-फटे 11 या 21 बेल पत्र को शुद्ध पानी से साफ कर लीजिए। जिसके बाद एक कटोरे में गाय का दूध लीजिए। जिसमें आपके स्वच्छ बेलपत्र डाल दीजिए। इतने आप जिस विधि से शिवलिंग पर पूजा करते है वह कर लीजिए। अब आप दूध के कटोरे से बेलपत्र निकाल लीजिए और उन्हें गंगाजल से स्वच्छ कर दीजिए। 11 या 21 बेलपत्र जो आपने स्वच्छ किए है उनके हर पत्ते पर चंदन से ॐ बना दीजिए और इत्र छिड़ककर शिवलिंग पर ꣸ॐ नमः शिवाय꣸ मंत्र का जाप करते हुए सभी बेल पत्र चढ़ा दीजिए।

आज का इतिहास

1727 - महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। शहर के वास्तुकार बंगाल के विद्याधर चक्रवर्ती थे।
1738 - फ्रांस और आस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर।
1833 - हॉलैंड और बेल्जियम के बीच जोनहोवेन संधि पर हस्ताक्षर।
1772 - पेशवा माधवराव प्रथम के छोटे भाई नारायणराव ने गद्दी संभाली।
1909 - अमेरिका ने निकारागुआ पर हमला किया।
1918 - उत्तरपूर्वी यूरोपीय देश लातविया ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की।
1948 - बिहार की राजधानी पटना के निकट स्टीमर 'नारायणी' दुर्घटनाग्रस्त होने से 500 लोग डूबे।
1951 - ब्रिटिश सेना ने मिस्त्र के इस्मालिया क्षेत्र पर कब्जा किया।
1956 - मोरक्को ने स्वतंत्रता हासिल की।
1959- आईएनएस विराट को ब्रिटिश रॉयल नेवी में कमीशंड किया गया था।
1972 - बाघ को राष्ट्रीय पशु चुना गया।
1994 - संयुक्त राष्ट्र ने फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार को मान्यता प्रदान की।
2002 - संयुक्त राष्ट्र हथियार निरीक्षकों का पहला दल हैंस ब्लिक्स की अगुआई में बगदाद पहुंचा।
2002 - इराक निशस्त्रीकरण संकटः हेंस ब्लिक्स के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र के हथियार निरीक्षकों का दल इराक पहुंचा।
2003 - श्वार्जेनेगर ने कैलीफ़ोर्निया के गवर्नर पद की शपथ ली।
2005 - प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे श्रीलंका के नये राष्ट्रपति निर्वाचित।
2005 - ईराक में हुए बम विस्फोट में 44 लोगों की मृत्यु।
2005 - उत्तर कोरिया के मानवाधिकार रिकार्ड पर संयुक्त राष्ट्र चिन्तित।
2008 - केन्द्र सरकार ने वैश्विक आर्थिक मंदी से देश की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में 50,000 करोड़ रुपये देने का निर्णय किया।
2008 - बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व मंत्री नटवर सिंह को पार्टी से निष्कासित किया।
2008 - सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त एमएखान का निलम्बन जारी रहने का आदेश दिया।
2008 - भारत व मिश्र के बीच पांच समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।
2017 - भारत की मानुषी छिल्लर ने जीता 'मिस वर्ल्ड 2017' का खिताब।

अब अर्थव्यवस्था की ताकत सेवा क्षेत्र

-डा. जयंतीलाल भंडारी-

हाल ही में प्रकाशित नीति आयोग की सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सेवा क्षेत्र का योगदान 55 फीसदी से अधिक है और लगभग 18.8 करोड़ लोगों या देश के कार्यबल के लगभग 30 फीसदी को रोजगार देता है। रिपोर्ट दर्शाती हैं कि सेवा क्षेत्र ने पिछले छह वर्षों में 4 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा किए हैं। देश का सेवा निर्यात 14.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ रहा है। यह वस्तु निर्यात के 9.8 प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। ऐसे में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि देश के वस्तु निर्यात की चुनौतियों के बीच सेवा क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की ताकत बन गया है। गौरतलब है कि देश में बढ़ता हुआ सेवा क्षेत्र बढ़ते हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) का आधार है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का अहम पहलू सेवा निर्यात बन गया है। इनसे न केवल विदेश व्यापार घाटे को थामे रखने में मदद मिल रही है बल्कि इनसे देश में रोजगार निर्माण में सहारा मिल रहा है। इस समय भारत सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की ऐतिहासिक ऊंचाई हासिल करते हुए वैश्विक सेवा निर्यात का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच भारत का सेवा निर्यात 193.18 अरब डॉलर के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उम्मीद है कि यह इस चालू वित्त वर्ष के अंत तक 475 अरब डॉलर की रिकॉर्ड नई ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सेवा निर्यात 387.5 अरब डॉलर का ही रहा था। वर्ष 2013-14 में सेवा निर्यात का आकार महज 152 अरब डॉलर था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुताबिक भारत ने वैश्विक सेवा निर्यात में 4.3 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अब दुनिया में सातवां स्थान हासिल कर लिया है। वर्ष 2001 में सेवा निर्यात के मामले में भारत 24वें स्थान पर था। यह उपलब्धि मुख्य रूप से टेलीकॉम, आईटी और बिजनेस सेवाओं की बदौलत संभव हो पाई है। ये क्षेत्र देश के कुल सेवा निर्यात का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा रखते हैं। इनके साथ-साथ भारत सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवा निर्यात में भी आगे हैं। सेवा निर्यात की मौजूदा प्रगति देश में हो रहे सेवा क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधारों, तकनीकी विकास और नई पीढ़ी की उच्च कौशल युक्त क्षमताओं के लाभों का परिणाम भी है। गौरतलब है कि सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर अमूर्त सेवाएं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, पर्यटन, आतिथ्य, शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, एआई आदि से संबंधित सेवाओं का निर्यात शामिल है। खासतौर से भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसीए लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1800 से अधिक जीसीसी हैं जिनसे 21 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। दुनिया के करीब 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान 1.5 प्रतिशत से अधिक है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ज्ञातव्य है कि ग्लोबल कैपैबिलिटी सेंटर या जीसीसी जॉब मार्केट में नया चलन है। जीसीसी प्रमुख रूप से आईटी सपोर्ट, कस्टमर सर्विस, फाइनेंस, एचआर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत में एआई इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। ऐसे में भारत को सेवा क्षेत्र को मजबूत करते हुए सेवा निर्यात को तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। इस बात पर ध्यान देना होगा कि अभी भी भू-राजनीतिक रूप से भारत का सेवा क्षेत्र देश की व्यापक आर्थिक असमानता को ही दर्शाता है। देश में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु उच्च मूल्य वाली सेवाओं मसलन सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और अचल संपत्ति में दबदबा रखते हैं। जबकि देश के अधिकांश राज्य अभी भी सेवा क्षेत्र में तुलनात्मक रूप में पीछे बने हुए हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश अपने संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, और अर्थव्यवस्था के औपचारिक और शहरीकृत होने के साथ-साथ अभी भी सेवा क्षेत्र में और भी ज्यादा कर्मचारियों को शामिल करने की क्षमता है। सेवा क्षेत्र में लैंगिक यानी स्त्री-पुरुष के अंतर पर भी ध्यान देना जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 10.5 फीसदी महिलाएं सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 60 फीसदी है। यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करने होंगे। भारत को अपने सेवा निर्यात में विविधता लाने और अन्य उभरते क्षेत्रों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अब हमें सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम करके सेवा निर्यात की संभावनाओं वाले अन्य देशों में भी कदम बढ़ाना होंगे। अब हमें नई पीढ़ी को सेवा निर्यात की नए दौर की शिक्षा देने के लिए समुचित निवेश की व्यवस्था करना होगी। हमें नए दौर की तकनीकी जरूरतों और इंडस्ट्री की अपेक्षाओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण से नई पीढ़ी को सुसज्जित करना होगा। भारत की आईटी सेवा कंपनियों को गैर-अंग्रेजी भाषी देशों में कारोबार में आगे बढने के लिए कार्मिकों को संबंधित देशों की भाषाओं में प्रशिक्षण देने पर निवेश किया जाना होगा, ताकि इन देशों के बाजारों तक भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स की पहुंच बनाई जा सके।

जहां सेवा निर्यात क्षेत्र के उपक्रमों को संगठित स्वरूप प्रदान करना और गिग कर्मियों तथा छोटे एवं मझोले उपक्रमों से जुड़े लोगों का संरक्षण आवश्यक है, वहीं महिलाओं और कमजोर वर्ग के लोगों के डिजिटल कौशल में निवेश, तकनीक और हरित कौशल को प्रशिक्षण और छोटे एवं मझोले शहरों को नए सेवा क्षेत्र केंद्रों के रूप में विकसित करने के मद्देनजर अहम कदम जरूरी हैं। हमें सेवा निर्यात बढ़ाने के लिए शोध, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मापदंडों पर आगे बढना होगा। हमें देश के कोने-कोने में विशेषतया ग्रामीण और पिछड़े हुए क्षेत्रों में सेवा निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर एआई स्किल्स से जुड़ी प्रोग्रामिक भाषाएं प्रमुख रूप से पायथन, जावा, सी प्लस प्लस, आर और जूलिया में बड़ी संख्या में युवाओं को कुशल बनाने के कई गुना प्रयास करने होंगे। इनके साथ-साथ मशीन लर्निंग, वर्चुअल रियल्टी, रोबोटिक प्रोसेस, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डाटा एनालिसिस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉक चेन और सायबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवाओं को कुशल बनाना होगा। हम उम्मीद करें कि ऐसे प्रयासों से देश का सेवा क्षेत्र और सेवा निर्यात रफ्तार से बढ़ेगा और इससे देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलते हुए दिखाई दे सकेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

उत्तर भारत से चल रही हवा ने राजस्थान में बढ़ाई ठिठुरन

जयपुर। उत्तर भारत से चल रही हवा ने राजस्थान में सर्दी का असर गहरा कर दिया है। प्रदेश में पिछले दो दिनों से ठंडी हवाँ लगातार चल रही हैं, जिससे सुबह और रात के समय तापमान में गिरावट आ रही है। इसी को देखते हुए मौसम केन्द्र जयपुर ने सोमवार को चार जिलों सीकर, झुंझुनूं, चूरू और नागौर के लिए कोल्ड-वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले पूरे सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा और ठिठुरन में कमी आने की संभावना बहुत कम है।

प्रदेश के कई हिस्सों में रविवार को शीतलहर का व्यापक असर देखने को मिला। खासतौर पर शेखावाटी बेल्ट सीकर, चूरू और झुंझुनूं के साथ नागौर, जोधपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिलों के आसपास के क्षेत्रों में लोगों को तेज सर्द हवा का सामना करना पड़ा। सुबह-शाम की ठंड में लोग घरों से कम ही निकलते दिखे। दोपहर में धूप से थोड़ी राहत मिली, लेकिन सूर्यास्त होते ही फिर से सर्दी में बढ़ोतरी हो गई। पिछले 24 घंटे के दौरान फतेहपुर और नागौर सबसे ठंडे स्थान रहे। फतेहपुर में 5.2 डिग्री और नागौर में 5.3 डिग्री सेल्सियस तापमान मापा गया। इन दोनों शहरों के साथ सीकर, चूरू, झुंझुनूं, जोधपुर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में भी तापमान सामान्य से नीचे रहा। जोधपुर जिले में इस सीजन की सबसे ठंडी रात रही, जहां न्यूनतम तापमान घटकर 9.9 डिग्री पर आ गया। चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में भी क्रमशः 8.2 और 8.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सर्दी चरम पर रही। जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, अलवर, पिलानी, जालोर, करौली, दौसा और झुंझुनूं सहित अन्य जिलों में भी पारा छह से बारह डिग्री सेल्सियस के बीच मापा गया। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर में तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहा, लेकिन वहां भी सुबह-शाम ठंड का असर कम नहीं हुआ। दिन के तापमान में भी गिरावट आ गई। कई शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से एक से दो डिग्री कम रहा। बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, जैसलमेर, जोधपुर, कोटा और अजमेर में दिन का पारा 26 से 31 डिग्री के बीच रहा। सिरोही इस दौरान सबसे ठंडा जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान केवल 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में उत्तरी हवाओं की गति बनी रहने से सर्दी और बढ़ सकती है। 17 नवंबर को सीकर, झुंझुनूं, चूरू और नागौर में कोल्ड-वेव की स्थिति बनी रहेगी, जबकि 18 नवंबर को विशेष रूप से सीकर जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

द्विपक्षीय हवाई अभ्यास 'गरुड़' में भारत और फ्रांस के लड़ाकू विमानों ने भरी उड़ान

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस की वायु सेनाओं के बीच द्विपक्षीय हवाई अभ्यास 'गरुड़' की शुरुआत हो गई है। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना के राफेल विमानों ने द्विपक्षीय हवाई अभ्यास के तहत समन्वित मिशनों की शुरुआत करते हुए उड़ान भरी। फ्रांस में 27 नवंबर तक चलने वाला यह अभ्यास दोनों वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन और गहन रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा।

अभ्यास गरुड़ में हिस्सा लेने के लिए भारतीय वायु सेना का एक दल फ्रांस गया है, जो 13 नवंबर को मोंट-डी-मार्सन एयर बेस पर उतरा है। इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई विमान और फ्रांसीसी वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान एक कृत्रिम युद्ध वातावरण में भाग लेंगे, जिसमें दोनों वायु सेनाओं के कौशल और व्यावसायिकता का प्रदर्शन होगा। यह अभ्यास अंतर-संचालन क्षमता को और बढ़ाएगा, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा और दोनों वायु सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा।

हर दो साल में होने वाले हवाई अभ्यास 'गरुड़' का पिछला संस्करण पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर राजस्थान के जोधपुर में हुआ था, जिसमें भारत और फ़्रांस के वायु सेना प्रमुखों ने अलग-अलग लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी थी। वायु सेना स्टेशन जोधपुर से तत्कालीन एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने फाइटर जेट राफेल और फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के तत्कालीन प्रमुख जनरल स्टीफन मिल ने सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट उड़ाकर संयुक्त प्रशिक्षण मिशन के हिस्से के रूप में अभ्यास में भाग लिया था।

भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के बीच द्विपक्षीय हवाई अभ्यास 'गरुड़' 16 नवंबर को शुरू हुआ है, जो 27 नवंबर तक चलेगा। इस अभ्यास में फ्रांसीसी वायु सेना अपने चार राफेल लड़ाकू विमान, एक ए-330 मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट विमान और 220 कर्मियों की एक टुकड़ी के साथ भाग ले रही है। यह द्विपक्षीय अभ्यास का आठवां संस्करण है। पहला, तीसरा और पांचवां संस्करण भारतीय वायु सेना के स्टेशनों में क्रमशः 2003, 2006 और 2014 में ग्वालियर, कलाईकुंडा और जोधपुर में आयोजित किया गया था। दूसरा, चौथा और छठा संस्करण फ्रांस में 2005, 2010 और 2019 में हुआ था। यह अभ्यास एयर डिफेंस और जमीनी हमले के अभियानों में फ्रांसीसी और भारतीय चालक दल के अंतर-स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

धुले के आदिवासी छात्रावास में नर्सिंग की छात्रा ने की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के धुले जिले के पिंपलनेर शहर में स्थित एकलव्य सरकारी आदिवासी छात्रावास के शौचालय में नर्सिंग की एक छात्रा ने बीती रात आत्महत्या कर लिया है। यह छात्रा नर्सिंग के प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। आज सुबह इस घटना की सूचना मिलते ही पिंपलनेर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और छात्रा का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आज सुबह छात्रावास के कर्मचारियों ने छात्रा के आत्महत्या की सूचना पुलिस को दी थी। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और शौचालय की छत से लटका छात्रा का शव बरामद किया। शव के पास कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला था। छात्रा का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अब तक की छानबीन में पता चला है कि आत्महत्या करने वाली छात्रा नंदुरबार जिले के धडगाँव तहसील के अस्तम्बा गाँव की रहने वाली थी। पुलिस ने छात्रा के परिजनों को भी सूचना देकर बुलाया है। छात्रा ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण अभी तक सामने आ गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जाँच कर रही है।

गायक ह्यूमेन सागर की सेहत में मामूली सुधार : एम्स भुवनेश्वर

भुवनेश्वर। ओडिया के लोकप्रिय पार्श्वगायक ह्यूमेन सागर की स्थिति में हल्का सुधार दर्ज किया गया है। एम्स भुवनेश्वर द्वारा सोमवार को जारी नवीनतम स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, सागर अब बाहरी उत्तेजनाओं पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी चेतना आंशिक रूप से लौट रही है। डॉक्टरों के मुताबिक सागर साधारण कमांड्स पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, आंखें हिला रहे हैं और सिर हिलाकर संकेत दे रहे हैं। इससे उनके प्रशंसकों और शुभचिंतकों में नई उम्मीद जगी है। उल्लेखनीय है कि ह्यूमेन सागर को 14 नवंबर को एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया था। वह गंभीर क्रॉनिक लिवर फेल्योर, मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम और बाइलेटरल न्यूमोनिया से जूझ रहे हैं। वह अभी भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं, जबकि डॉ. श्रीकांत बेहेरा के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। इधर, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सागर के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की है और परिजनों को आश्वस्त किया है कि उपचार में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी उनकी शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बहाल है। छोटे और बड़े वाहनों को राजमार्ग के दोनों तरफ से जाने की अनुमति दी गई है। जानकारी के अनुसार छोटे और बड़े दोनों प्रकार के वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार कट आफ समय के बाद किसी भी वाहन को आवाजाही की इजाजत नहीं होगी। अधिकारियों ने जाम की स्थिति से बचने के लिए वाहन चालकों को अपनी लाइन में चलने की हिदायत भी दी है। इसी बीच एसएसजी रोड और मुगल रोड भी वाहनों की आवाजाही के लिए खुले हैं।

मुख्यमंत्री ने विधायक सुरेन को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को दिगबोई के विधायक सुरेन फूकन को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "विधानसभा में मेरे सहयोगी सुरेन फुकन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वह लगातार दिगबोई क्षेत्र की समस्याओं को मुखरता से उठाते रहे हैं और निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव से उनके दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं, ताकि वे जनसेवा करते रहें।" दिगबोई से भाजपा विधायक सुरेन फूकन का जन्म 17 नवंबर 1969 को हुआ था।

शाह, गडकरी, योगी, खरगे व अन्य ने दी लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को क्रांतिकारी विचारों से गति देने वाले लाला लाजपत राय ने गरीबों, किसानों और युवाओं को संगठित कर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष को धार दी।उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के दमन का सामना करते हुए लाजपत राय ने अपने प्राणों की आहुति दी और उनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को और प्रखर बनाता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लाला लाजपत राय को महान स्वतंत्रता सेनानी बताते हुए उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लाला लाजपत राय के ऐतिहासिक शब्द,"मेरे शरीर पर पड़ने वाली हर लाठी, ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में एक नई कील साबित होगी" का उल्लेख करते हुए कहा कि 'पंजाब केसरी' और 'शेर-ए-पंजाब' के रूप में सम्मानित लाजपत राय साहस और संघर्ष के अदम्य प्रतीक थे। उन्होंने उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय का जीवन देशभक्ति, साहस और त्याग का अमिट उदाहरण है। लाजपत राय ने युवाओं के हृदय में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की, जिसने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकासमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्वाधीनता के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले लाजपत राय का जीवन स्वावलंबन और स्वराज्य जैसे विचारों से परिपूर्ण था, जो आज भी प्रेरित करता है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ब्रिटिश अत्याचारों के विरुद्ध लाजपत राय की निर्भीक आवाज और उनका अदम्य साहस राष्ट्र में स्वतंत्रता का संकल्प प्रज्वलित करने वाला था। उन्होंने उन्हें श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लाजपत राय ने मां भारती की परतंत्रता की बेड़ियां तोड़ने के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने उनके चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ब्रिटिश अत्याचार झेलने के बावजूद लाजपत राय ने आजादी का संघर्ष कभी नहीं छोड़ा। उनका साहस और देशभक्ति आज भी अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है।

गांधीनगर में मेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान : सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई तेज

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर शहर में सुबह से ही कड़े पुलिस बंदोबस्त के बीच राजधानी योजना विभाग और निगम द्वारा मेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत की गई है। वर्षों से सरकारी जमीनों पर बने छोटे–बड़े, जिनमें धार्मिक अतिक्रमण भी शामिल हैं, ऐसे निर्माणों को तोड़ने की बड़ी कार्रवाई आज शुरू हुई है। सुबह अतिक्रमण हटाओ टीम जेसीबी और अन्य वाहनों के साथ सेक्टर-30 सर्किल के पास पहुंची। कार्रवाई शुरू करने से पहले पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा घेरा बनाकर कड़ा बंदोबस्त किया। इसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इस क्षेत्र में कुल 7 पक्के मकान और 2 धार्मिक अतिक्रमणों को ढहा दिया गया। गांधीनगर डिवीजन के डिप्टी एसपी डी.टी. गोहिल ने बताया, "सुबह से ही कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। दिनभर अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण हटाया जाएगा और पुलिस बंदोबस्त लगातार तैनात रहेगा।" प्रशासन के अनुसार, सेक्टर-30 क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बने कई धार्मिक अवैध अतिक्रमण, जिन्हें वक्फ बोर्ड में भी गलत तरीके से दर्ज किया गया था, उन्हें कानूनी प्रक्रिया के बाद हटाया गया है। यह जानकारी भी सामने आई है कि इस जमीन के रिकॉर्ड में 1,500 से अधिक बार अवैध बदलाव किए गए थे, जिन्हें वैध बनाने के प्रयास लंबे समय से किए जा रहे थे। गांधीनगर शहर में कुल 1,400 से अधिक घर–झोपड़ियों और अन्य अतिक्रमणों को नोटिस भेजी गई थी, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर प्रशासन द्वारा मेगा डिमोलिशन की योजना बनाई गई है।

भारतीय तटरक्षक बल ने 29 मछुआरों सहित बांग्लादेशी ट्रॉलर को पकड़ा

कोलकाता। भारतीय तटरक्षक बल ने बंगाल की खाड़ी में गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर 29 मछुआरों के साथ एक बांग्लादेशी ट्रॉलर को पकड़ा है। बाद में सभी को दक्षिण 24 परगना जिले के फ्रेजरगंज कोस्ट थाने को सौंप दिया गया। इसके बाद उन्हें भारतीय जल सीमा में घुसपैठ के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। कोस्ट गार्ड के आज सुबह जारी बयान में यह जानकारी दी गई। कोस्ट गार्ड के अनुसार, रविवार को तटरक्षक बल ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध ट्रॉलर को देखा। जांच में पाया गया कि ट्रॉलर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा लांघकर बांग्लादेश से भारतीय जल क्षेत्र में प्रवेश कर गया है। ट्रॉलर तटरक्षक दल तट पर लेकर आया और मछुआरों को संबंधित थाने के हवाले कर दिया। सुंदरवन जिला पुलिस अधिकारी जांच कर रहे हैं कि ट्रॉलर किस तरह भारतीय जल सीमा में पहुंचा। आरोपितों को सोमवार को काकद्वीप उप–संभागीय अदालत में पेश किया जाएगा। हाल ही में एक भारतीय मछुआरे की बांग्लादेश की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु के बाद तटीय सुरक्षा और कड़ी कर दी गई थी। काकद्वीप फिशरमेन यूनियन के सचिव सतीनाथ पात्र ने बताया कि बांग्लादेशी ट्रॉलर ने भारतीय जल सीमा का उल्लंघन किया। पिछले सितंबर में भी 13 बांग्लादेशी मछुआरों सहित एक ट्रॉलर को भारतीय तटरक्षक बल ने पकड़ा था।

गिरिराज सिंह का कांग्रेस पर कटाक्ष, बोले- लोकतंत्र में अब परिवारवाद के खत्म होने का समय आ गया

डिंडौरी। भाजपा के कद्दावर नेता और केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि पिछले छह चुनावों में कांग्रेस के जितने विधायक जीते हैं, उतने तो अकेले बिहार चुनाव में भाजपा के निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अब परिवारवाद की राजनीति के अंत का समय आ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव के पहले ही कह दिया था कि चुनाव के बाद लालू यादव का परिवार बिखर जाएगा। अब कोई पार्टी परिवारवाद से नहीं चल सकती। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इंदिरा गांधी के बाद राजीव और संजय का परिवार पहले ही बिखर गया था और अब 'एक ही परिवार बचा है'।

केन्द्रीय मंत्री सिंह ने यह बातें डिंडौरी में मीडिया से बातचीत करते हुए कही। वे मध्य प्रदेश के चार दिवसीय प्रवास के तीसरे दिन सोमवार को अमरकंटक से लौटते वक्त अल्प प्रवास पर डिंडौरी पहुंचे थे। यहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। वे शहपुरा से भाजपा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के आवास पर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखी।

गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि वे 'दिवालियापन का शिकार' हो गए हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि राहुल विदेश की धरती पर प्रधानमंत्री और देश को 'गाली' देते हैं और 'दुश्मन जैसा व्यवहार' करते हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत है कि विश्व का कोई देश इसका मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस खात्मे की ओर है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस एक नया इतिहास बना रही हैं।

रामोजी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उत्कृष्टता और नैतिक मीडिया की जरूरत पर दिया जोर

हैदराबाद। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि रामोजी राव एक दूरदर्शी राष्ट्र निर्माता थे। उन्होंने विचारों को संस्थानों और सपनों को स्थायी वास्तविकताओं में बदल दिया। उपराष्ट्रपति हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित पहले रामोजी एक्सीलेंस अवार्ड्स 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम रामोजी समूह के स्थापना दिवस और इसके संस्थापक रामोजी राव की जयंती के अवसर पर हुआ। इस मौके पर सात श्रेणियों ग्रामीण विकास, यूथ आइकन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मैनकाइंड सर्विस, कला और संस्कृति, पत्रकारिता और वुमन अचीवर्स में अवार्ड दिए गए। सम्मान पाने वालों में अमला आशोक रूइया, श्रीकांत बोला, प्रो. माधवी लता गाली, आकाश टंडन, प्रो सत्यपति प्रसन्ना स्त्री, जयदीप हार्डीकर और पल्लबी घोष शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रामोजी राव मीडिया और संचार क्षेत्र के अग्रदूत थे जिन्होंने इनाडु से लेकर रामोजी फिल्म सिटी और ईटीवी नेटवर्क तक भारतीय पत्रकारिता, मनोरंजन और उद्यमिता को नई दिशा दी। ये अवार्ड्स उन लोगों को सम्मानित करते हैं जो उत्कृष्टता, प्रेरणा और सामाजिक बदलाव की भावना को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह देश को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य तक पहुंचाने में साझेदार बने और सत्य, नैतिकता और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्राथमिकता दे, खासकर ऐसे समय में जब सूचना की अधिकता और गलत सूचना तेजी से फैल रही है। उपराष्ट्रपति ने मीडिया की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि प्रेस लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में नागरिकों को सूचित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उसे सत्य, निष्पक्षता और वस्तुनिष्ठता को आधार बनाकर काम करना चाहिए। उन्होंने ड्रग फ्री भारत को बढ़ावा देने और एआई के दौर में फेक न्यूज की पहचान कराने में मीडिया की भूमिका को भी बताया। कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीयमंत्री जी किशन रेड्डी और किंजारापु राममोहन नायडू, पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, रामोजी ग्रुप के सीएमडी किरोन सहित कई फिल्मी हस्तियां और अन्य लोग मौजूद रहे।

गुजरात के सूरत के हीरा कारोबारी के पुत्र जश महेता 23 नवंबर को लेंगे जैन संन्यास की दीक्षा

वैभवपूर्ण जिंदगी छोड़ युवक ने चुना भक्ति का मार्ग

गुजरात। गुजरात के हीरानगरी सूरत के जाने-माने हीरा उद्योगपति जतीन महेता के 18 वर्षीय पुत्र जश महेता ने दुनिया के सारे भौतिक सुखों को त्यागकर संयम के कठिन मार्ग पर चलने का फैसला किया है। इस तरह से यहां वैराग्य और त्याग की एक अनोखी कहानी सामने आई है। जश महेता की जैन संन्यास की दीक्षा का कार्यक्रम 23 नवंबर को सूरत के पाल क्षेत्र में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। वे भक्तियोगाचार्य आचार्य भगवंत यशोविजयसूरी महाराज साहेब की निश्रा में दीक्षा ग्रहण कर संयम मार्ग पर अग्रसर होंगे।

18 वर्षीय जश महेता का जीवन बचपन से ही हर तरह की सुविधा से भरपूर रहा। पिता हीरा उद्योग के बड़े कारोबारी होने के कारण जश के हर शौक पूरे किए जाते थे। उसे–महंगे ब्रांडेड चश्मे,लैंडेस्ट आईफोन और क्रिकेट खेलने का बेहद शौक था। लेकिन उसका सबसे बड़ा लगाव था असली डायमंड ज्वेलरी और लक्जरी डायमंड वॉच पहनने का। जश के पास सवा दो लाख की डायमंड वॉच थी और वह डायमंड–गोल्ड की चेन व अन्य दागिने भी पहनता था। अपने निर्णय पर जश ने कहा, "हाँ, मुझे लक्सरी वॉच और ज्वेलरी बहुत पसंद थी। लेकिन एक दिन मन में विचार आया–ये सब मेरे साथ कब तक रहेगा? अंत में तो सब यहीं छोड़कर जाना है। जो चीजें हमेशा साथ नहीं आने वाली, उनके प्रति इतना मोह कैसा?" जश के इस विचार ने पूरे परिवार और समुदाय को आश्चर्य में डाल दिया है। एक ऐसे शहर से वैराग्य का मार्ग चुनना, जो पूरी दुनिया में हीरों की चमक के लिए जाना जाता है, अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

'सत्यं वदः, धर्मम् चरः' की मूल भावना को अपनाने की जरूरत : आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'सत्यं वदः, धर्मम् चरः' की मूल भावना को अपनाने की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि अपने बड़ों के प्रति कृतज्ञता का भाव हमारे मन में हमेशा होना चाहिए और यह हमारी पहचान बननी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में जब अपनी शिक्षा पूरी करके कोई स्नातक अपने गुरुकुल से बाहर निकलता था तो कुलगुरु उसे 'सत्यं वदः धर्मम् चरः' की दीक्षा और उपदेश देते थे। इसका अर्थ है कि जीवन में सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना। उन्होंने कहा, ''किसी भी अच्छे कार्य के लिए हमेशा अपने आप को तैयार करना, अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव ईमानदार बने रहकर उसका अनुपालन करना और अपने जीवन में सदैव अपने से बड़ों का सम्मान करना, यह संस्कार हमारे मन में सदैव बना रहना चाहिए।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का कोई स्नातक जब अपनी शिक्षा पूरी करके इस भाव को लेकर अपने गुरुकुल से बाहर निकलता था तब भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आप को स्थापित पाता था। भारत तब दुनिया की सबसे बड़ी ताकत था। हम जो करते थे दुनिया उसका अनुसरण करती थी लेकिन जब हमने दुनिया का अनुसरण करना प्रारंभ कर दिया तो हमारी ताकत भी उसी प्रकार से कम होती गई और आज भारत की स्थिति क्या है यह किसी से छुपा हुआ नहीं है।''

उन्होंने कहा कि यह प्रश्न हम सबके सामने सदैव बना रहना चाहिए और इसीलिए कृतज्ञता का भाव हमारे मन में हमेशा होना चाहिए। यह हमारी पहचान बननी चाहिए। मुख्यमंत्री ने तकनीक के मामले में बाकी दुनिया से 10 कदम आगे की सोच अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि दुनिया तकनीक को तेजी से अपना रही है। इसमें हम अपने आप को रोक नहीं सकते। जब हम दुनिया से 10 कदम आगे की सोच लेकर चलेंगे तब दुनिया हमारा अनुगमन करने के लिए मजबूर होगी।

हम लकीर के फकीर नहीं बन सकते।'' आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा ने दुनिया को हिंदुस्तान के पीछे चलने के लिए मजबूर किया है और हर भारतवासी इस पर गौरव की अनुभूति कर सकता है। वर्ष 2014 से पहले लोगों में जो हताशा और निराशा थी, उसे आशा और उत्साह में बदलने का काम 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देखने को मिल रहा है।

हर एक क्षेत्र में भारत ने एक नयी छलांग लगाई है। उन्होंने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास को याद करते हुए कहा कि देश की आजादी के प्रति उनके मन में जो जज्बा था, उसके साथ जुड़कर देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में उन्होंने काम किया।

मां ने लगाई मासूम के जीवन की गुहार, सीएम योगी ने तत्काल करवाई इलाज की व्यवस्था

'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए 60 से अधिक फरियादी, मुख्यमंत्री ने एक-एक की सुनी समस्या

लखनऊ। सोमवार की सुबह एक मां के जीवन में उम्मीद की किरण लेकर आया, जब वह 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए सात माह के मासूम की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने महिला की बात सुनी और तत्काल उन्हें एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहे बच्चे का इलाज शुरू हो गया। वहीं 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए, मुख्यमंत्री ने सभी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समय से निराकरण का निर्देश दिया। लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में लगाए गए 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वे किराए के मकान में रहकर अत्यंत सीमित संसाधन में जीवनयापन कर रही हैं। उनके सात माह के मासूम को हृदय से संबंधित बीमारी है। उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता कर दी जाए। मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को दुलारा-पुचकारा और महिला को आश्वस्त किया कि आप बेफिक्र रहिए, सरकार मदद करेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को तत्काल एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया और वहां कुलपति को निर्देशित किया कि बच्चे के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत वहां मासूम का इलाज प्रारंभ हो गया है। 'जनता दर्शन' में बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी जमीन के कब्जे संबंधी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आपकी ड्यूटी देश की सीमा या देश की आंतरिक सुरक्षा में लगी होगी, आप ड्यूटी निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच कराने और जल्द समाधान का निर्देश दिया। जनता दर्शन में सोमवार को प्रदेश भर के 60 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री स्वयं सभी के पास पहुंचे। एक-एक करके सभी का प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं, फिर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के आदेश दिए। इस दौरान जमीन कब्जा, आर्थिक सहयोग, पुलिस, बिजली समेत अनेक विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि आपकी सुरक्षा और सेवा सरकार का कर्तव्य है। सरकार पहले दिन से ही इस इस ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

उत्तर प्रदेश के लोग सपा सरकार का गुंडा राज नहीं भूले : बृजेश पाठक

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आज सोमवार को सुलतानपुर जिले की इसौली विधानसभा क्षेत्र के अलीगंज बाजार में एकता यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए प्रचंड बहुमत से जीता है और उत्तर प्रदेश में सपा के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे।

उत्तर प्रदेश के लोग सपा सरकार के कार्यकाल में समाजवादी पार्टी के गुंडों की अराजकता और जंगल राज को भूले नहीं हैं। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने इस मौके पर सब्जी मंडी मैदान में आयोजित जनसभा में कहा कि आरजेडी का गुंडाराज, जंगल राज बिहार के लोगों को अच्छी तरह याद है कि बहू-बेटी, इज्जत-आबरू, प्लाट-मकान, दुकान कब्जा करना, सरेआम अपहरण-हत्या हुई हैं। इसलिए आरजेडी के गठबंधन को बिहार की जनता ने एकदम नकार दिया है। प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी सपा सरकार के समय कानून व्यवस्था खत्म कर अराजकता फैलाई गई और विकास में भ्रष्टाचार हुआ। स्वास्थ्य विभाग की तमाम महिला कर्मचारियों को पिछले कई महीनों से मातृत्व अवकाश भुगतान न मिलने के सवाल पर डिप्टी सीएम पाठक ने कहा, इस मामले में जो भी त्रुटियां हैं, उन्हें दूर किया जाएगा और गलती करने वाले लोगों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

भाजपा ने यह यात्रा सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की थी। जिले में पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक का स्वागत भी किया।

11 वर्षीय बालक की तालाब में डूबकर मौत, गांव में छाया मातम

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में शहर कोतवाली क्षेत्र के अरबई गांव में रविवार शाम गांव के 11 वर्षीय हर्ष की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई।

पुलिस और गोताखोरों ने सोमवार सुबह शव बरामद किया। घर में मासूम बेटे की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव निवासी जयपाल गुप्ता का बेटा हर्ष अपने माता-पिता के साथ धान के खेत में गया था। परिजन धान की कटाई में व्यस्त थे, तभी हर्ष खेलते-खेलते पास के तालाब की ओर चला गया। पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा।

शाम के समय जब हर्ष नजर नहीं आया तो परिजनों ने तालाब के किनारे होने की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसी समय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई और आज सोमवार सुबह पुलिस टीम ने बच्चे का शव बरामद कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

बरेली कॉलेज परिसर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

बरेली। जिले के बारादरी क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठित बरेली कॉलेज परिसर में सोमवार सुबह 30 वर्षीय एक व्यक्ति का शव फंदे से लटकता मिला, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुबह सैर पर निकले कुछ लोगों ने शव देखा और तुरंत कॉलेज प्रशासन व पुलिस को सूचना दी। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसने बताया कि मृतक की पहचान कालीबाड़ी निवासी बिहारी राजपूत के रूप में हुई है। उसने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। इस बीच, राजपूत के भतीजे अजय ने पोस्टमार्टम हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''राजपूत शराब का आदी था। रविवार शाम उसने काफी शराब पी और टहलने के लिए घर से निकल गया था। रात तक घर वापस न लौटने पर परिवार ने ज्यादा चिंता नहीं की, क्योंकि वह अक्सर नशे की हालत में बाहर ही रुक जाता था।'' अजय ने बताया, ''सोमवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस ने फोन कर बताया कि राजपूत का शव बरेली कॉलेज के अंदर फंदे से लटका मिला है।'' उन्होंने कहा कि परिवार को नहीं लगता कि राजपूत ने आत्महत्या की है। घटनास्थल को देखते हुए हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले की तैयारी की जा रही है।

पुजारी की गला घोंटकर हत्या, मंदिर प्रांगण के कमरे में मिला शव

बदायूं। जिले के सिविल लाइंस क्षेत्र में सर्वेश्वर साईं मंदिर के पुजारी की अज्ञात बदमाशों ने गला घोंटकर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुजारी का शव मंदिर के प्रांगण में बने उनके कमरे में पाया गया। हत्यारों ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये और डीवीआर भी साथ ले गये। सर्वेश्वर साईं मंदिर के प्रबंधक सुरेंद्र वैश्य ने बताया कि वजीरगंज थाना क्षेत्र के कलिया काजमपुर गांव के रहने वाले पुजारी मनोज शंखधर वर्ष 2016 से मंदिर में पुजारी के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने बताया कि पुजारी मनोज शंखधर (40) का शव उनके कमरे में पाया गया। सुबह एक श्रद्धालु के मंदिर पहुंचने पर घटना का पता लगा। ग्रामीण क्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षक हृदयेश कुमार कठेरिया ने बताया कि आज सुबह करीब चार बजे कुछ अज्ञात बदमाशों ने सर्वेश्वर साई मंदिर परिसर में अपने कमरे में सो रहे पुजारी मनोज शंखधर की गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मंदिर से चांदी के दो मुकुट गायब हैं। हत्यारे पुजारी का मोबाइल फोन और सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर अपने साथ ले गए हैं। फिलहाल पुजारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

प्रतिबंधित सिरप की तस्करी के आरोप में 28 दवा कारोबारियों के खिलाफ मामला दर्ज

वाराणसी। प्रतिबंधित कोडिनयुक्त कफ सिरप की नशे के लिये तस्करी किए जाने के आरोप में 28 दवा कारोबारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि खाद्य एवं औषधि विभाग की जांच में पता चला कि प्रह्लाद घाट निवासी शुभम एवं उसके पिता भोलानाथ प्रसाद ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडिनयुक्त सिरप की झारखंड के रांची स्थित अपनी कंपनी से वाराणसी के 26 कारोबारियों को आपूर्ति की और इस सिरप का प्रयोग नशे के लिए किया गया। खाद्य एवं औषधि विभाग के निरीक्षक जूनाब अली की तहरीर पर 28 दवा कारोबारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उसने बताया कि औषधि निरीक्षक जूनाब अली ने तहरीर दी कि रांची के शैली ट्रेडर्स द्वारा वाराणसी सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी मात्रा में कोडिनयुक्त कफ सिरप की बिक्री किये जाने का मामला सामने आने पर कुल 26 कंपनियों का निरीक्षण किया गया तथा इनमें से कई कंपनियां बंद पायी गयीं। पुलिस ने बताया कि कंपनियों के पोर्टल पर उपलब्ध नंबरों पर कॉल करने पर भी उनसे संपर्क नहीं हो पाया। यह अनियमितता पाए जाने पर अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कोडिनयुक्त कफ सिरप का दुरुपयोग संभवतः नशे के लिये किया गया है। उसने बताया कि इस मामले में शुभम जायसवाल, भोलानाथ प्रसाद तथा 26 दवा कारोबारियों के विरुद्ध शनिवार को मुकदमा दर्ज किया गया है।

खदान हादसा : पांच और लोगों के शव बरामद, मृतक संख्या छह हुई

सोनभद्र। सोनभद्र के बिल्ली मारकुंडी खदान हादसे में मारे गये पांच और लोगों के शव बरामद होने के साथ इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर छह हो गयी है। जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने बताया कि 16 और 17 नवंबर की मध्यरात्रि से लेकर सोमवार दोपहर तक मलबे से पांच और शव बरामद किये गये हैं।

उनकी पहचान इंद्रजीत (30), संतोष (30), रवींद्र (18), राम खेलावन (32) और कृपाशंकर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पांच और शव बरामद होने के बाद इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गयी है। सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र स्थित बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में शनिवार शाम को खदान में पहाड़ी का एक भाग दरकने से एक खदान धंस गयी थी। घटना के बाद रविवार को मलबे से राजू सिंह (30) नामक मजदूर का शव बरामद किया गया था। सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने बताया कि शनिवार को बिल्ली मारकुंडी स्थित 'कृष्णा माइनिंग वर्क्स' की खदान में पहाड़ी का एक भाग दरकने से कई मजदूर मलबे में दब गए थे। इस मामले में कृष्णा माइनिंग वर्क्स के मालिक समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन कर उनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम भी बचाव कार्य में जुटी है।

राहुल गांधी मानहानि मामले की सुनवाई टली, 26 को होगी सुनवाई

सुलतानपुर। जिला एमपी-एमएलए कोर्ट में रायबरेली के सांसद एवं कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को स्थगित हो गई।अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवम्बर को होगी। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने सोमवार को बताया कि गवाह राम चंद्र दुबे के अनुपस्थित रहने और स्थगन प्रार्थना पत्र देने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवम्बर को होगी। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ 2018 मे मानहानि का मुकदमा दायर किया था। विजय मिश्रा का आरोप है कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी।

पांच साल तक चली अदालती कार्यवाही के दौरान राहुल गांधी के पेश न होने पर, दिसम्बर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

बिहार के एक मजदूर की लाश हाइवे पर मिली

औरैया। जनपद के कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को मंडी समिति के पास हाइवे पर बिहार के एक मजदूर का शव मिला। पुलिस ने मृतक की पहचान कर घटना की जानकारी परिवार को दी। कोतवाल राजकुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान लक्ष्मण सिंह (40), जो बिहार के मोतिहारी के रूप में हुई है। उसके बारे में पता चला है कि वह उड़ीसा में मजदूरी करता था। वह अपने घर लौटा रहा था। रविवार देर रात को रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने की उसकी मृत्यु हो गई है। सोमवार सुबह राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर घटना की जानकारी मृतक के परिवार को दे दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

जीडीपी को तीन गुना बढ़ाने के लिये लक्ष्य को टाइम फ्रेम में बिन्दुवार ठोस योजना बनाये : सुरेश खन्ना

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना की अध्यक्षता में सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जनपद में गतिमान विभिन्न परियोजनाओं तथा प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में जिले के योगदान को लेकर अफसरों से मंथन किया। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने विभिन्न योजनाएं तथा वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में जिले के योगदान की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से रखी। जिलाधिकारी ने 2023-24 के आंकडों के आधार पर जनपद वाराणसी के आंकडों को प्रभारी मंत्री के समक्ष प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान में जिले की जनसंख्या 36.77 लाख (2011 के सेंसस से) है जिसके 2025 तक 43.87 लाख होने का अनुमान है।

जिले की वर्तमान जीडीपी 51,036 करोड़ (प्रचलित भावों पर) तथा 29,797 करोड़ (स्थायी भावों पर) है तथा वार्षिक विकास दर 13.8 फीसदी है, जनपद का राज्य जीडीपी में योगदान 1.99 फीसदी है तथा प्रति व्यक्ति आय 103354 रुपये है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले का तृतीयक सेक्टर का वर्तमान आंकड़ा तीस हजार करोड़ का है। जिसको बढ़ाकर एक लाख करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य है। पर्यटकों की संख्या में 42 प्रतिशत तथा होटल उद्योग में 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में जनपद के निर्धारित लक्ष्य 159200 करोड़ के सापेक्ष वर्तमान में जीडीपी 51036 करोड़ को लगभग तीन गुना तक आगे ले जाना होगा जिसके लिये लक्ष्य को टाइम फ्रेम में बिन्दुवार ठोस योजना बनाकर प्राप्त करना होगा। कृषि के बीजों तथा सिंचाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि कृषि उपज को उच्चस्तर पर ले जाया जा सके। प्रभारी मंत्री ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की जीडीपी में योगदान को गुणात्मक रूप से बढ़ाने हेतु जोर दिया। मत्स्य पालन की विभिन्न योजनाओं के बड़े स्तर पर प्रचार प्रसार की जरूरत है ताकि कृषि से संबद्ध क्षेत्रों को नयी ऊचाईयां दी जा सकें जो हमारे जीडीपी को उचित योगदान दे। उन्होंने जनपद के वर्तमान आकड़ों में तीन गुना बढ़ोत्तरी करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि, पशुधन, वानिकी, मत्स्य में विशेष प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

उन्होंने अर्थव्यवस्था को गति देने हेतु तात्कालिक एवं दीर्घकालिक लक्ष्य तैयार करने तथा माइक्रोप्लानिंग कर कृषि एवं आनुषंगिक क्षेत्रों पर फोकस करने के निर्देश भी दिये। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वन विभाग जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रति महीने कम से कम 100 वृक्ष जरूर लगाएं जिससे एग्रोफॉरेस्ट्री का विकास हो। भट्ठा की संख्या, उनका सर्वे तथा उनके द्वारा खनन की बिन्दुवार समीक्षा करके जिलाधिकारी अगले 15 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान, पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट योजना का उचित प्रचार-प्रसार करके लोगों को उसका लाभ देना सुनिश्चित करें।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक

- चौबीस घंटे में एक ही थाना क्षेत्र में हादसे में चार लोगों की गई जानें

हमीरपुर। जिले के मुस्करा थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात लोडर की टक्कर से दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में युवकों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने सोमवार को शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने की तैयारी शुरू की है। चौबीस घंटे में इसी थाना क्षेत्र में चार लोगों की सड़क हादसे में मौत होने से आम लोग स्तब्ध है।

महोबा जिले के चरखारी क्षेत्र के रिवई गांव निवासी अंकित विश्वकर्मा (२८) व जय हिन्द (२६) बाइक से हमीरपुर जिले के मुस्करा थाना क्षेत्र के इमिलिया गांव में रिश्तेदार मनोज विश्वकर्मा के यहां आए थे। यहां दोनों ने कुआं पूजन के बाद भोजन किया। बीती देर रात दोनों वापस बाइक से अपने गांव लौट रहे थे तभी मुस्करा कस्बे में एक पेट्रोलपंप के पास हमीरपुर-राठ स्टेट हाइवे में तेज रफ्तार लोडर ने दोनों को रौंद डाला। लोडर की टक्कर से बाइक सवार दोनों युवक तीस फीट दूर जा गिरे। टक्कर के बाद लोडर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर एम्बुलेंस बुलाई गई। लेकिन इससे पहले ही दोनों की मौके पर मौत हो गई थी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने आज बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। पोस्टमार्टम के लिए शवों को पोस्टमार्टम हाउस राठ भेजा गया है। बता दें कि इससे पहले मुस्करा थाना क्षेत्र में एक महिला और उसके मासूम भतीजे को डंपर ने रौंद डाला था, जिससे दोनों की मेडिकल कालेज झांसी में मौत हो गई थी।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, दूल्हे की भाभी ने दो बेटियों संग किया आत्मदाह, तीनों की मौत

उरई। जालौन जिले के कोंच कोतवाली क्षेत्र स्थित दाढ़ी गांव में आज सुबह पारिवारिक कलह के चलते मां ने अपनी दो मासूम बेटियों समेत खुद को आग लगा दी। इस घटना में मां और बड़ी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी बेटी ने झांसी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना से पूरा गांव गांव शोक में डूब गया। ग्रामीण कह रहे हैं कि आज जिस घर में देवर की शादी की शहनाई गूंजनी थीं उसी घर में दूल्हे की भाभी और दो भतीजियों की मौतों से मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, कोंच कोतवाली क्षेत्र के दाढ़ी गांव में महिला आरती ने सोमवार की सुबह करीब 5 बजे अपने घर में ही डीजल छिड़कर आग लगा ली। इस आग में उसकी दोनों बेटियां - 7 वर्षीय पीहू और 2 वर्षीय दृष्टि भी बुरी तरह से झुलस गईं। आग की सूचना मिलते ही परिवार के लोग और पड़ोसी घटनास्थल पर पहुंचे और तीनों को जलता हुआ बाहर निकाला। लेकिन तब तक मां और बड़ी बेटी की मौत हो चुकी थी। वहीं छोटी बेटी की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने झांसी के मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जहां चंद घंटे बाद उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरती और उसके पति देवेंद्र के बीच बीती रात विवाद हुआ था और गुस्से में आकर उसने बेटियों के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया और घर में रखा डीजल डालकर आग लगा ली। परिजनों के मुताबिक कल मंगलवार को आरती के देवर जितेंद्र की बारात ले जाने की तैयारियां जोरों पर थीं। लेकिन अचानक हुई इस हादसे ने घर की सारी खुशियों को मातम में बदल दिया। वहीं कोंच सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि डाढ़ी गांव में आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और इलाज के लिए उन्हें सीएचसी लाया गया। जिसमें डॉक्टरों ने महिला और उसकी बड़ी बेटी को मृत घोषित कर दिया, एक की हालत गंभीर होने पर उसे झांसी भेजा गया। जहां इलाज के दौरान छोटी बेटी की भी मौत को गई। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने राहुल द्रविड़ की जगह संगकारा को फिर से मुख्य कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से इस फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे।

राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया, ''क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे।'' राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बडाले ने एक बयान में कहा कि संगकारा की मुख्य कोच के रूप में वापसी से हम बहुत खुश हैं। इस समय टीम की जरूरतों को देखते हुए हमें लगा कि टीम के साथ उनकी सहजता, उनका नेतृत्व और रॉयल्स संस्कृति की उनकी गहरी समझ टीम के प्रदर्शन में निरंतरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमें उनके कौशल पर पूरा भरोसा है। द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइज़ी में लौटे थे।

टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी।

राजस्थान रॉयल्स ने पिछले सत्र तक अपने कप्तान रहे संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड किया है। इसके बदले में उसने रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया है।

एडेन मारक्रम ने टीम में बनाये रखने पर एलएसजी पर जताया आभार

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम का मानना है कि आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को चीजों को ज्यादा जटिल बनाने की जरूरत नहीं है और उन्हें अगले साल अहम मौकों को भुना कर जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एलएसजी ने अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज मारक्रम को टीम में बरकरार किया है।

मारक्रम ने 2025 सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों सहित 445 रन बनाए थे। उन्होंने ने एलएसजी के 'एक्स' पर साझा किये गये वीडियो में कहा, ''यह बहुत अच्छा है। मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रेंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाये और टीम के साथ कुछ महीने बिताए।

ऐसे में मैं रिटेन किए जाने के लिए बहुत आभारी हूं और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र का इंतजार कर रहा हूं।'' एलएसजी पिछले सत्र में छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रही थी। मारक्रम ने अगले सत्र की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वाकई अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि पिछले सत्र में हम बहुत पीछे थे। हम अगर कुछ अहम मौके को भुनाने में सफल रहते तो नतीजे अलग होते।''

उन्होंने कहा, ''हम नॉकआउट में जगह बनाने के काफी करीब थे। ऐसे में किसी भी चीज को ज्यादा जटिल नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो अच्छा किया है, उसे दोहराने की कोशिश करनी चाहिए और कुछ और मुश्किल मौकों को अपने पक्ष में करना चाहिये।'' मारक्रम टेस्ट और सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए भारत दौरे पर आयी दक्षिण अफ्रीका टीम का हिस्सा है।

सिनर ने अल्काराज़ को हराकर एटीपी फ़ाइनल्स का ख़िताब बरकरार रखा

तूरिन। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज़ को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा। यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था।

इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा, ''यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत ख़ास है।'' अल्काराज़ ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं।

सिनर और अल्काराज़ पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फ़ाइनल में आमने-सामने रहे हैं। अल्काराज़ ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज़ अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे।

पीसीबी ने सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीम की पूरी जिम्मेदारी सौंपी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन (ए टीम) और अंडर-19 टीमों का निदेशक नियुक्त किया है। सरफराज पिछले साल से बोर्ड से जुड़े हुए हैं और अब दोनों टीमों से संबंधित सभी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने कहा कि आप कह सकते हैं कि वह पाकिस्तान शाहीन और जूनियर टीम के निदेशक हैं और जरूरत पड़ने पर उनके साथ विदेश दौरे पर भी जाएंगे। सूत्र के अनुसार शाहीन और अंडर-19 टीमों के कोच, चयनकर्ता, सहयोगी स्टाफ के सदस्य अब पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को रिपोर्ट करेंगे। सूत्र ने कहा कि सरफराज अहमद दोनों टीमों के लिए कोच या सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति के संबंध में लिए गए किसी भी फैसले में शामिल होंगे।

नॉर्वे ने इटली को हराकर 1998 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

मिलान (इटली)। नॉर्वे ने रविवार रात इटली को उसके घर में 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया। नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाई है, जबकि मेजबान इटली को लगातार तीसरी बार प्लेऑफ का रास्ता अपनाना पड़ा। नॉर्वे ने क्वालीफाइंग अभियान को आठों मैच जीतकर पूरा किया और चार बार की विश्व चैंपियन इटली से छह अंक आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

इटली को बेहतर गोल अंतर के चलते अगले दौर में जाने के लिए नौ गोल से जीत की जरूरत थी, इसलिए उसने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के 10वें मिनट में फ्रांसेस्को पियो एस्पोसिटो ने नजदीकी दूरी से गोल कर इटली को बढ़त दिलाई। पहली पारी के अधिकांश समय तक मेजबान टीम हावी रही और कई मौके बनाए, जबकि नॉर्वे को केवल एक आधा मौका मिला, जब एंटोनियो नुसा का शॉट बार के ऊपर चला गया।

दूसरे हाफ में नॉर्वे ने पूरी तरह बदला हुआ खेल दिखाया। 63वें मिनट में नुसा ने बॉक्स के भीतर से शानदार लेफ्ट-फुट शॉट लगाकर बराबरी कर ली। खेल के अंतिम चरणों में नॉर्वे ने नियंत्रण हासिल कर लिया और 78वें मिनट में इटली की रक्षा में हुई बड़ी गलती के कारण एर्लिंग हालांड को खाली जगह मिल गई। उन्होंने क्रॉस को आसानी से वॉली करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सिर्फ एक मिनट बाद हालांड ने अपना दूसरा गोल दागा और अभियान में अपने गोलों की संख्या 16 कर ली। इंजरी टाइम में जॉर्गन स्ट्रैंड लार्सन ने चौथा गोल कर नॉर्वे की बड़ी जीत सुनिश्चित की।

इस जीत के साथ नॉर्वे ने साबित कर दिया है कि वह अगले वर्ष होने वाले विश्व कप में किसी भी टीम के लिए आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं होगा।

फीफा विश्व कप 2026: पुर्तगाल ने लगातार सातवीं बार किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने पोर्टो के एस्टादियो डो द्रागाओ में खेले गए अपने अंतिम वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में आर्मेनिया को 9-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह पुर्तगाल का लगातार सातवां विश्व कप होगा। रोबर्टो मार्टिनेज की टीम ने निलंबित क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया। अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए पुर्तगाल को जीत की जरूरत थी और टीम ने इसे दो हैट्रिक की मदद से बेहद प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया—एक ब्रूनो फर्नांडीस ने और दूसरी युवा जोआओ नेवेस ने लगाई।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः सात्विक-चिराग की जोड़ी पर रहेगी निगाह, लक्ष्य, प्रणय भी पेश करेंगे चुनौती

सिडनी। भारत के एकल खिलाड़ी जब अपने प्रदर्शन में निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं तब एक बार फिर सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी रहेगी जो मंगलवार से यहां शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सत्र का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का इस सत्र में प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा लेकिन सात्विक और चिराग ने कुछ प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीता तथा हांगकांग सुपर 500 और चाइना मास्टर्स सुपर 750 में उपविजेता रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन का पहला मुकाबला चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई से होगा। चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की कोशिश करेंगे। लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन के सेमीफाइनल में हार गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उनका पहला मुकाबला चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा। प्रणय की इस टूर्नामेंट में पिछले साल उपविजेता रहे थे लेकिन फिलहाल वह भी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह पहले दौर में कनाडा के ब्रायन यांग का सामना करते हुए पूरी लय हासिल करना चाहेंगे। इस वर्ष मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे अनुभवी किदाम्बी श्रीकांत पांचवें वरीय लिन चुन-यी से, जबकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी मलेशिया के जस्टिन होह से भिड़ेंगे। अन्य खिलाड़ियों में, किरण जॉर्ज का सामना छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से होगा, जबकि थारुण मन्नेपल्ली डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। महिला एकल में आकर्षि कश्यप ड्रॉ में शामिल एकमात्र भारतीय हैं, लेकिन उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन एन से यंग के खिलाफ कठिन मुकाबले का सामना करना होगा। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं।

महिला युगल में उनका मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की यान फेई चेन और लियांग चिंग सुन से होगा। मिश्रित युगल में मोहित और लक्षिता का मुकाबला कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई से होगा।

सरकार ने 'प्लैटिनम' आभूषणों के आयात पर 30 अप्रैल तक लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने कुछ प्रकार के 'प्लैटिनम' आभूषणों के आयात पर 17 नवंबर से 30 अप्रैल, 2026 तक प्रतिबंध लगा दिया है।विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इस संबंध में सोमवार को एक अधिसूचना जारी की है। इससे पहले सरकार ने सितंबर में कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर अगले साल 31 मार्च तक प्रतिबंध लगाया था।

अधिसूचना में कहा कि 'प्लैटिनम' आभूषणों की आयात नीति को ''तत्काल प्रभाव से 30 अप्रैल 2026 तक 'मुक्त' से 'प्रतिबंधित' में संशोधित किया गया है।'' आयातकों को अब इन वस्तुओं के आयात के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस लेना होगा। अधिसूचना के मुताबिक इस नीति को 31 मार्च, 2026 तक ₹मुक्त₹ से ₹प्रतिबंधित₹ कर दिया है। इस बदलाव के तहत विशिष्ट प्लैटिनम आभूषणों को मुक्त से प्रतिबंधित दर्जा दिया गया है। इसके लिए आयातकों को विदेश व्यापार महानिदेशालय से लाइसेंस लेना होगा। अधिसूचना के मुताबिक उनकी आयात इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना था।

डीजीएफटी के मुताबिक इस कदम के लिए आयातकों को लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक है। इसका उद्देश्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के दुरुपयोग से जुड़ी चिंताओं को दूर करना और घरेलू निर्माताओं की सुरक्षा करना है। यह कदम सितंबर 2025 में चांदी के आभूषणों पर लगाए गए इसी तरह के प्रतिबंध के बाद उठाया गया है। इसका उद्देश्य मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से संभावित शुल्क चोरी को रोकना है। इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना था। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता है। थाईलैंड इस 10 राष्ट्र समूह का सदस्य है।

आईपीओ शुरुआती निवेशकों के लिए निकासी का जरिया बन रहे, सार्वजनिक बाजारों की भावना पर असरः सीईए

मुंबई। शेयर बिक्री में तेजी के बीच भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को इस बात पर अफसोस जताया कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) किसी उद्यम में शुरुआती निवेशकों के लिए निकासी का जरिया बन रहा है जिससे सार्वजनिक बाजारों की भावना कमजोर हो रही है।

यहां सीआईआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि देश के पूंजी बाजारों को न केवल पैमाने में, बल्कि उद्देश्य के लिहाज से भी विकसित होना चाहिए। सीईए ने बाजार पूंजीकरण या वायदा-विकल्प कारोबार की मात्रा जैसे '' गलत मानक'' का जश्न मनाने से बचने का भी आग्रह किया। साथ ही यह स्पष्ट किया ये ''वित्तीय परिष्कार'' के उपाय नहीं हैं बल्कि ऐसे प्रयासों से ''केवल घरेलू बचत को उत्पादक निवेश से दूर करने का जोखिम उत्पन्न होता है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि भारत ने एक मजबूत एवं परिष्कृत पूंजी बाजार विकसित करने में सफलता प्राप्त की है।

हालांकि इसने साथ ही अल्पकालिक आय प्रबंधन दृष्टिकोण'' में भी योगदान दिया है क्योंकि वे प्रबंधन पारिश्रमिक तथा बाजार पूंजीकरण में वृद्धि से जुड़े हैं। अप्रैल-सितंबर की अवधि में 55 भारतीय कंपनियों ने आईपीओ जारी करके लगभग 65,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। अधिकतर शेयर मौजूदा निवेशकों द्वारा बिक्री के लिए जारी किए गए थे और नए शेयर जारी करने की मात्रा बहुत कम थी जिससे किसी कंपनी को कोई फायदा होता है। उन्होंने कहा कि देश दीर्घकालिक वित्तपोषण के लिए मुख्य रूप से बैंक ऋण पर निर्भर नहीं रह सकता है। सीईए ने दीर्घकालिक उद्देश्यों के वित्तपोषण के लिए गहन बॉन्ड बाजार को ''रणनीतिक आवश्यकता'' करार दिया। शिक्षाविद से नीति निर्माता बने सिंह ने कहा कि भारतीय निजी क्षेत्र को सतर्क रहने और जोखिम से बचने के लिए पर्याप्त कारण मिल गए हैं। निवेश संबंधी निर्णय नहीं लिए जाने चाहिए क्योंकि इससे देश के समक्ष मौजूद रणनीतिक बाधाएं अवसरों में बदल सकती हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया महत्वाकांक्षा की आवश्यकता है, जोखिम उठाने और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता है। अन्यथा भारत, जैसा कि उसने इस वर्ष के दौरान पाया है, रणनीतिक मजबूती के संबंध में खुद को पीछे पाता रहेगा, एक ऐसे विश्व में रणनीतिक अपरिहार्यता का निर्माण करना तो दूर की बात है, जहां हम आने वाले वर्षों में सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक बनना चाहते हैं। सिंह ने अगले दशक में अर्थव्यवस्था के आकार के अनुरूप रणनीतिक लाभ उठाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पाकिस्तान के शीर्ष बैंक ने डॉलर के नकद लेनदेन पर लगाया प्रतिबंध

कराची। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बाजार में पाक रुपये के अवमूल्यन और डॉलर की अघोषित निकासी को रोकने के उद्देश्य से अमेरिकी डॉलर के नकदी प्रवाह को सीमित करने के लिए कदम उठाए हैं। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने बैंकों को निर्देश दिया कि वे उन ग्राहकों को डॉलर में नकद भुगतान न करें जिनके पास विदेशी मुद्रा खाते नहीं हैं। साथ ही उसने सभी मुद्रा विनिमय डीलर को निर्देश दिया कि वे ग्राहकों को 500 अमेरिकी डॉलर तक ही भुगतान करें। डॉलर की आवश्यकता की पुष्टि करने वाली सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही अतिरिक्त डॉलर उन्हें प्रदान किए जाएं। नए निर्देशों के तहत बैंक अब सीधे खरीदारों के खातों में डॉलर स्थानांतरित करेंगे। एक्सचेंज कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि इस निर्णय से यात्रा या अन्य कामों के लिए डॉलर की खरीद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन ग्राहकों को डॉलर की आवश्यकता का प्रमाण देना होगा।

चालू वित्त वर्ष के आयकर संग्रह का लक्ष्य हासिल करने का भरोसा : सीबीडीटी प्रमुख

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में निर्धारित 25.20 लाख करोड़ रुपये के आयकर संग्रह के लक्ष्य को हासिल कर लेने की सोमवार को उम्मीद जताई। 'रिफंड' जारी करने में देरी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि विभाग कुछ 'रिफंड' दावों का विश्लेषण कर रहा है जो उच्च राशि के थे या जिन्हें प्रणाली ने लाल झंडी दिखा दी थी। करदाताओं से भी कहा गया है कि यदि वे कुछ भूल गए हैं तो संशोधित 'रिटर्न' दाखिल करें।

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में करदाताओं के 'लाउंज' के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों के साथ बातचीत में अग्रवाल ने कहा, '' कम राशि के 'रिफंड' जारी किए जा रहे हैं। हमने विश्लेषण किया और पाया कि कुछ गलत 'रिफंड' या कटौतियों का दावा किया जा रहा था। इसलिए यह एक सतत प्रक्रिया है। हमें उम्मीद है कि शेष 'रिफंड' इस महीने या दिसंबर तक जारी कर दिए जाएंगे।'' संग्रह के संबंध में अग्रवाल ने कहा कि प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले वर्ष की तुलना में 6.99 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो एक उत्साहजनक रुझान है। उन्होंने कहा, '' हमें उम्मीद है कि साल के अंत तक हम लक्ष्य हासिल कर लेंगे। करदाताओं की प्रतिक्रिया भी अच्छी रही है।'' चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एक अप्रैल से 10 नवंबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.99 प्रतिशत बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। कॉरपोरेट कर संग्रह और धीमी 'रिफंड' दर इसकी मुख्य वजह रही। 10 नवंबर तक 'रिफंड' जारी करने की राशि 18 प्रतिशत घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से अधिक रह गई। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए अग्रिम कर की दो किस्तें अब भी शेष हैं और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ऑडिट रिटर्न दाखिल करने की नियत तारीख बढ़ा दी गई है। अग्रवाल ने कहा, '' हमें उम्मीद है कि 10 दिसंबर तक हम इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।'' एक अप्रैल से लागू होने वाले नए आयकर नियमों के बारे में अग्रवाल ने कहा कि नए नियमों व फॉर्म को साल के अंत या जनवरी, 2026 तक अधिसूचित किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आईटीआर फॉर्म प्रासंगिक और कारोबारी सुगमता के सिद्धांत पर आधारित होने चाहिए ताकि करदाताओं पर अनावश्यक बोझ न पड़े। अग्रवाल ने कहा, '' इसलिए हम इसे जनवरी तक लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं ताकि करदाताओं को अपनी प्रणाली में अपनी प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। हमारा उद्देश्य इसे करदाताओं के लिए सरल बनाना है क्योंकि फॉर्म ही पहला जरिया है जिसके माध्यम से अनुपालन सुनिश्चित होता है।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 17 परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत छह श्रेणियों में करीब 7,172 करोड़ रुपये के निवेश वाली 17 परियोजनाओं को सोमवार को मंजूरी दे दी। यह मंजूरी भारत के उच्च मूल्य वाले घटकों के उत्पादन के प्रति संकल्प और निर्णायक प्रयास को रेखांकित करती है। इन परियोजनाओं से कुल मिलाकर 65,111 करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंजूरी की दूसरी किस्त की घोषणा करते हुए एक कार्यक्रम में कहा कि भारत को एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण केंद्र बनने का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक सफलता हासिल करने के लिए भारत को 'डिजाइन टीम' बनाने, सभी उत्पादों में 'छह सिग्मा' गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने और परियोजनाओं में स्वदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारत की तेल कंपनियों ने अमेरिका के साथ पहली बार एलपीजी आयात समझौता किया

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) को लेकर एक बड़ा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां वर्ष 2026 में अमेरिकी से 22 लाख टन एलपीजी का आयात करेंगी, जो देश के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग 10 फीसदी होगा।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारत अमेरिका से एलपीजी आयात करेगा, जो एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अमेरिकी खाड़ी तट से एलपीजी आयात करने के लिए एक साल का समझौता किया है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से लगभग 2.2 एमटीपीए एलपीजी आयात करने के लिए एक वर्षीय अनुबंध सफलतापूर्वक संपन्न किया है। यह भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग दस फीसदी है और भारतीय बाजार के लिए इस तरह का पहला संरचित अमेरिकी एलपीजी अनुबंध है।

मंत्री ने इस निर्णय को एक ऐतिहासिक घटनाक्रम बताया और कहा कि दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक अब अमेरिका के लिए खुल गया है। उन्होंने कहा, ₹यह खरीद एलपीजी खरीद के लिए माउंट बेलवियू को मानक के रूप में उपयोग करने पर आधारित है।

पुरी ने कहा कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के हमारे अधिकारियों की एक टीम ने अमेरिका का दौरा किया था और पिछले कुछ महीनों में प्रमुख अमेरिकी उत्पादकों के साथ चर्चा की थी, जो अब समाप्त हो गई है। उल्लेखनीय है कि यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब भारत को अमेरिका को निर्यात पर 50 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें रूसी तेल खरीदने पर 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है, तथा कई भारतीय मंत्रियों ने बयान दिया है कि भारत अमेरिका से अधिक ऊर्जा आयात करना चाहेगा।

'पति पत्नी और पंगा' के विनर बने रुबीना दिलैक - अभिनव शुक्ला

टीवी रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' का रोमांचक ग्रैंड फिनाले 15 और 16 नवंबर को कलर्स टीवी और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हुआ, जिसमें दर्शकों को लंबे समय से प्रतीक्षित नतीजे मिल गए। इस सीजन की विजेता ट्रॉफी रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने अपने नाम कर ली है।, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिनाले की सबसे मजबूत जोड़ी गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी को पीछे छोड़ दिया। जैसे ही होस्ट सोनाली बेंद्रे ने विजेता जोड़ी का नाम घोषित किया, रुबीना और अभिनव खुशी से झूम उठे और स्टेज पर डांस करने लगे। पूरे सीजन में दोनों ने बेहतरीन तालमेल, समझदारी और मजबूत बॉन्डिंग का प्रदर्शन किया, जिसके चलते उन्हें 'सर्वगुण संपन्न जोड़ी' का खिताब भी दिया गया। इस सीजन में मुकाबला बेहद कड़ा रहा। फिनाले में रुबीना-अभिनव और गुरमीत-देबिना की टक्कर चर्चा का विषय बनी रही। दोनों जोड़ियों ने दमदार परफॉर्मेंस दिया, लेकिन अंत में दर्शकों के प्यार और लगातार बेहतर टीमवर्क के चलते रुबीना और अभिनव ने बाजी मार ली। शो के दौरान सभी सेलिब्रिटी जोड़ियों ने मजेदार टास्क और चुनौतियों का सामना किया ताकि यह साबित हो सके कि किस जोड़ी की समझदारी और साझेदारी सबसे बेहतर है। रुबीना-अभिनव की कैमिस्ट्री ने हर एपिसोड में दर्शकों का दिल जीता, और सोशल मीडिया पर भी उन्हें भारी समर्थन मिला। इस सीजन में हिना खान, स्वरा भास्कर, गीता फोगाट, सुदेश लहरी, देबिना बनर्जी, ईशा मालवीय, अभिषेक कुमार और अविका गौर अपने पार्टनर्स के साथ शो में नजर आए थे।

'120 बहादुर' का ऐतिहासिक प्रदर्शन, पूरे देश के रक्षा थिएटर्स में होगी स्क्रीनिंग

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर अपनी आगामी युद्ध-नाटक फिल्म '120 बहादुर' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म भारत के डिफेंस थिएटर नेटवर्क में रिलीज होने वाली पहली फिल्म बनकर एक ऐतिहासिक कदम साबित होने जा रही है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो के बैनर तले बनी इस फिल्म को देशभर के 800 से अधिक रक्षा सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है, जबकि फरहान के साथ अभिनेत्री राशि खन्ना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। '120 बहादुर' को विशेष रूप से सेना के जवानों और उनके परिवारों तक पहुंचाने के लिए व्यापक पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है। यह पहल दूर-दराज की चौकियों पर तैनात सैनिकों तक सिनेमा पहुंचाने की अनोखी कोशिश है। पिक्चरटाइम के संस्थापक और सीईओ सुशील चौधरी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सेवारत जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के मनोरंजन की पहुंच बढ़ाना है। वर्तमान में भारत में केवल लगभग 30% सैनिकों को ही रक्षा सिनेमाघरों तक पहुंच मिल पाती है, जिसे बढ़ाने की दिशा में यह फिल्म महत्वपूर्ण साबित होगी। फिल्म रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित है, जिसमें भारतीय सेना के 120 वीर जवानों ने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया था। फरहान अख्तर और राशि खन्ना के अलावा फिल्म में एजाज खान, दिग्विजय प्रताप, विवान भटेना, धनवीर सिंह, अंकित सिवाच, स्पर्श वालिया, आशुतोष शुक्ला सहित कई कलाकार नजर आएंगे। रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा द्वारा निर्मित '120 बहादुर' 21 नवंबर को देश और दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

बॉक्स ऑफिस पर 'दे दे प्यार दे-2' की तेज उड़ान से 'कांथा' की रफ्तार हुई धीमी

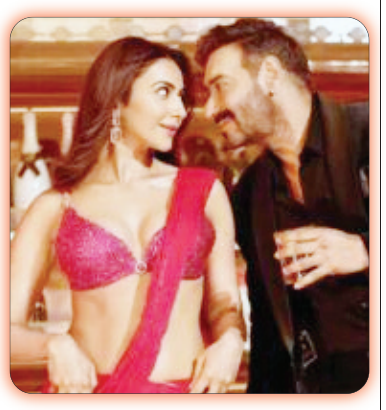

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'दे दे प्यार दे-2' ने रिलीज के तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती दिन धीमी शुरुआत के बावजूद फिल्म ने वीकेंड पर अपनी रफ्तार पकड़ ली और कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया। वहीं, साउथ सुपरस्टार दुलकर सलमान की फिल्म ''कांथा' वीकेंड का खास लाभ उठाने में नाकाम रही। सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार 14 फरवरी को रिलीज हुई इस रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा ने पहले दिन 8.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग दर्ज की। दूसरे दिन कमाई बढ़कर 12.25 करोड़ रुपये हो गई और तीसरे दिन फिल्म ने 13.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। तीन दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 34.75 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अजय देवगन और रकुल प्रीत के साथ फिल्म में आर माधवन भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ रहे हैं। इसके मुकाबले दुलकर सलमान की 'कांथा' तीसरे दिन तक स्थिर तो रही, लेकिन वीकेंड के बावजूद कमाई में कोई बड़ा उछाल नहीं दिखा। पहले दिन फिल्म ने 4.35 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 5 करोड़ रुपये और तीसरे दिन फिर 4.35 करोड़ रुपये का बिज़नेस किया। तीन दिनों में 'कांथा' की कुल कमाई लगभग 13.22 करोड़ रुपये रही। एक तरफ 'दे दे प्यार दे-2' ने वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस गर्माया, वहीं 'कांथा' अपनी गति बनाए रखने के बावजूद बड़ी बढ़त हासिल नहीं कर सकी।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

जस्टिन बीबर ने प्रशंसकों को अपनी चोट के बारे में बताया

लॉस एंजिलिस। ''सॉरी'', ''बेबी'' और ''पीचेज़'' जैसे हिट गानों के लिए पहचान बनाने वाले मशहूर गायक जस्टिन बीबर ने अपनी चोट के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्हें हर गतिविधि, यहां तक कि गाना गाने में भी दर्द होता है। बीबर (31) ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को बताया, ''मेरी पसली में बहुत तेज़ दर्द हो रहा है। ये मुझे बुरी तरह दर्द दे रहा है३ मैं बस ठीक दिखने की कोशिश कर रहा हूं।'' बीबर ने बताया कि उन्हें 'ओनव्हील इलेक्ट्रिक स्केटबोर्ड' से ''खतरनाक'' तरीके से गिरने से चोट लगी और वह कूल्हे के बल गिरे, जिससे गाने, हंसने, हर चीज में उन्हें दर्द होता है। इसके बावजूद, उन्होंने '2026 कोचेला म्यूजिक फेस्टिवल' के लिए अभ्यास जारी रखा है। बीबर के हाल में आये एल्बम में ''स्वैग'' और ''स्वैग 2'' शामिल हैं तथा उनका आखिरी टूर ''जस्टिस वर्ल्ड टूर'' 2022 में हुआ था।

इंडोनेशिया के मध्य जावा में भूस्खलन से 18 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के मध्य जावा प्रांत के दो क्षेत्रों में पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। देश की आपदा राहत एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि सिलाकाप शहर में पिछले सप्ताह एक भूस्खलन में सीब्यूनयिंग गांव में दर्जन भर घर दफन हो गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्यों में बाधा आ रही है क्योंकि लोग 3 से 8 मीटर (10 से 25 फुट) की गहराई में फंसे हुए हैं। इस बीच सिलाकाप क्षेत्र में हुए भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत की खबर है जबकि सात लोगा लापता बताए गए हैं। एजेंसी के मुताबिक एक अन्य घटनाक्रम में मध्य जावा के बनजर्नेगा क्षेत्र में शनिवार को हुए एक भूस्खलन के बाद दो लोगों की मौत हो गई और 27 इससे 30 घरों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है।

आम चुनाव के लिए 1.20 लाख पुलिस कर्मियों की होगी भर्ती

काठमांडू। नेपाल सरकार ने आगामी 5 मार्च को देश में आम चुनाव कराने के लिए 1 लाख 20 हजार अस्थाई पुलिस कर्मियों की भर्ती करने का निर्णय लिया है। सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट बैठक के बाद गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने बताया कि आम चुनाव के लिए आवश्यक 1 लाख 20 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि अस्थाई पुलिसकर्मी को कितने समय के लिए तैनात किया जाएगा, यह बजट के आधार पर तय होगा।

पाकिस्तान में रेल पटरी पर विस्फोट

जाफर एक्सप्रेस को फिर निशाना बनाया गया

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कई बार निशाना बनाई गई जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन एक विस्फोट से बाल-बाल बच गई। इसका परिचालन सुरक्षा चिंताओं के कारण करीब एक सप्ताह तक निलंबित रहा था और एक दिन पहले ही फिर से इसे शुरू किया गया था। उग्रवादियों ने रविवार को प्रांत के नसीराबाद इलाके में ट्रेन को निशाना बनाया। कुछ महीने पहले ही इस पर एक घातक उग्रवादी हमला हुआ था जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों ने क्वेटा से पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के रास्ते में रेलवे पटरी पर रखे गए विस्फोटकों में विस्फोट कर दिया। विस्फोट से पटरी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन ट्रेन को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस विस्फोट के बाद कुछ घंटों के लिए ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। नसीराबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुलाम सरवर ने टेलीफोन पर बातचीत में बताया कि सुरक्षा बल इलाके में पहुंच गए हैं और उन्होंने उग्रवादियों की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त पटरियों की मरम्मत भी कर दी गई है। उन्होंने कहा, ''जाफर एक्सप्रेस अपनी यात्रा के दौरान कई दुर्गम पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है और ऐसे कई इलाके हैं जहां उग्रवादी विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।''

रेलवे प्राधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से इस महीने की शुरुआत में क्वेटा और पेशावर के बीच नौ से 12 नवंबर तक इस ट्रेन की सेवाओं को निलंबित कर दिया था और बाद में निलंबन की अवधि को दो दिन के लिए बढ़ा दिया था। पाकिस्तान रेलवे के अनुसार, यह सेवा शनिवार को फिर से शुरू की गई थी। यह पहली बार नहीं है जब विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया है।

इस साल इसकी सेवा कई बार प्रभावित हो चुकी है। सबसे विनाशकारी हमला 11 मार्च को हुआ था, जब प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया था जिसके बाद पहाड़ी इलाके में दो दिन तक गतिरोध बना रहा था। उस समय ट्रेन में 380 यात्री सवार थे और 26 लोगों की जान चली गई थी। बाद में सुरक्षा बलों ने लगभग 354 यात्रियों को बचा लिया था तथा 33 अग्रवादी मारे गए थे। अक्टूबर में सिंध प्रांत में रेलवे पटरी पर हुए एक विस्फोट में कई लोग घायल हो गए थे।

रूसी मिसाइल हमले में यूक्रेन में तीन की मौत, 10 घायल

कीव। पूर्वी यूक्रेन के बालाक्लिया शहर पर रविवार रातभर जारी रूसी मिसाइल हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन किशोर भी शामिल हैं। खार्कीव क्षेत्रीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रूस से सटे इस क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव ने 'टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप' पर बताया कि हमले से भारी तबाही हुई है। हमले में शहर के केंद्र में बहुमंजिला आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा और दर्जनों कारें नष्ट हो गईं। क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा जारी एक तस्वीर में बहुमंजिला ईंट की इमारत के क्षतिग्रस्त सामने वाले हिस्से को दिखाया गया है, जहां खिड़कियां उड़ गई हैं, ऊपरी मंजिल पर आग लगी हुई है और मलबा तथा टूटे हुए पेड़ों की शाखाएं बिखरी पड़ी हैं। बालाक्लिया में सैन्य प्रशासन के प्रमुख विटाली कराबानोव ने टेलीग्राम पर कहा कि घायलों में तीन किशोर शामिल हैं। नौ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच रूस ने हमले पर फिलहाल अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी युद्ध में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव पर नियमित रूप से रूसी मिसाइल, ड्रोन और तोपखाने के हमले जारी है जिससे घरों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, बिजली कनेक्शन कट गए हैं और निवासियों को लगातार हवाई हमले के अलर्ट का सामना करना पड़ रहा है। दोनों पक्ष युद्ध में नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार करते हैं, लेकिन संघर्ष में हजारों लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश यूक्रेनी हैं। क्षेत्र के कुछ हिस्सों और दक्षिणी शहर इजियम में हुए इन हमलों के बाद रात भर बिजली की आपूर्ति बाधित रही।

नेपाल में मधेश सरकार का गठन रद्द करने की मांग, विधायकों का सातवें दिन भी धरना जारी

काठमांडू। मधेश सरकार का गठन रद्द करने की मांग करते हुए सात दलों के विधायकों का सोमवार को सातवें दिन भी मधेश भवन के सामने धरना जारी रहा। इसी मामले में दायर रिट याचिका पर आज सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हो रही है। नेपाली कांग्रेस, जसपा नेपाल, जनमत पार्टी, नेकपा माओवादी केंद्र, लोसपा, नेकपा एकीकृत समाजवादी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी एक सप्ताह से मधेश भवन के बाहर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन सात दलों के गठबंधन का कहना है कि संविधान की धारा 168 (3) के अनुसार तत्कालीन प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने सबसे बड़े दल के रूप में नेकपा एमाले के विधायक दल के नेता सरोज कुमार यादव के नेतृत्व में सरकार का गठन किया था, जो असंवैधानिक है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए। मधेश प्रदेश सभा सदस्य राजकुमार गुप्ता ने अदालत पर विश्वास जताते हुए कहा कि न्यायालय संविधान की रक्षा करेगा और लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अदालत गैर-संवैधानिक समूह को न्याय के माध्यम से पराजित करेगी।

रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 'बहुत कड़ी पाबंदियां' लगायी जाएंगी : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि जो भी देश रूस के साथ व्यापार करेगा, उस पर ''बहुत कड़ी पाबंदियां'' लगाई जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन और रिपब्लिकन सांसद मॉस्को को निशाना बनाने वाले कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे हैं। रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप से पूछा गया कि क्या रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस द्वारा उपाय लागू करने का समय आ गया है, इस पर उन्होंने कहा, ''मैंने सुना है कि वे ऐसा कर रहे हैं और यह ठीक है।''

ट्रंप ने कहा, ''वे कानून पारित कर रहे हैं... रिपब्लिकन कानून ला रहे हैं...रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बहुत कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वे उसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं३... यह सुझाव मैंने दिया था।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया, ''तो कोई भी देश जो रूस के साथ व्यापार करेगा, उसे बहुत कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। हम इसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं।'' ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। इसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। सांसद लिंडसे ग्राहम द्वारा पेश किए गए एक विधेयक में रूसी तेल की द्वितीयक खरीद और पुनः बिक्री पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव को संसद की विदेश संबंध समिति में लगभग सर्वसम्मत समर्थन मिला है। ग्राहम और सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने संयुक्त रूप से ''रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025'' पेश किया है, जिसका उद्देश्य उन ''देशों पर द्वितीयक शुल्क और प्रतिबंध'' लगाना है जो यूक्रेन में पुतिन के बर्बर युद्ध को जारी रखने के लिए धन मुहैया कराते हैं।'' इस प्रस्तावित कानून के संसद में 85 सह-प्रायोजक हैं।

रिपब्लिकन सांसदों को एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए मतदान करना चाहिए: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन सदस्यों को जेफरी एपस्टीन मामले से जुड़ी फाइलें जारी करने के लिए मतदान करना चाहिए। ट्रंप ने फ्लोरिडा में सप्ताहांत बिताने के बाद 'जॉइंट बेस एंड्रयूज' पहुंचने के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर लिखा, ''हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और रिपब्लिकन पार्टी की महान सफलता से ध्यान भटकाने का ये पैंतरा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के इस धोखे से आगे बढ़ने का समय आ गया है।'' डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सदस्य एक ऐसे उपाय पर जोर दे रहे हैं जिससे कि न्याय विभाग इस मामले से जुड़े और दस्तावेज सार्वजनिक कर सके। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से अपने संबंधों को लेकर विवादों में घिरे राष्ट्रपति के रुख में यह बदलाव इस बात की स्पष्ट स्वीकृति है कि इस उपाय के समर्थकों के पास सदन में पर्याप्त वोट हैं, हालांकि सीनेट में इसका भविष्य अस्पष्ट है।